हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला | अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

7

जबलपुर, सोमवार 22 दिसंबर 2025

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

कभी पद या प्रतिष्ठा को लक्ष्य नहीं बनाया-मिश्रा

मण्डला। राजनीति में ऊंचाईयां यूं ही नहीं मिलतीं इसके लिए वर्षों का संघर्ष, निष्ठा और सेवा भाव चाहिए और इसी सच्चाई को साकार किया है भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा ने। आज उनके जन्मदिन के अवसर पर पूरा जिला उनके संघर्षपूर्ण और प्रेरक सफर को याद कर रहा है। एक साधारण कार्यकर्ता के रूप में राजनीतिक जीवन की शुरुआत करने वाले प्रफुल्ल मिश्रा ने कभी पद या प्रतिष्ठा को लक्ष्य नहीं बनाया बल्कि संगठन और समाज की सेवा को ही अपना धर्म माना। वर्ष 1986 से राजनीति में सक्रिय रहते हुए उन्होंने पार्टी के हर आंदोलन हर कार्यक्रम और हर जिम्मेदारी को पूरी ईमानदारी से निभाया। शुरू से ही उनकी पहचान सहज सरल और मिलनसार व्यक्तित्व के रूप में रही है। कार्यकर्ता हो या आम नागरिक हर किसी की समस्या को अपनी समस्या मानकर समाधान की कोशिश करना उनके स्वभाव में रहा है। यही कारण है कि वे आज भी जमीन से जुड़े हुए नेता माने जाते हैं। आज जब वे भाजपा जिला अध्यक्ष के रूप में संगठन का नेतृत्व कर रहे हैं तो यह पद नहीं बल्कि वर्षों की मेहनत त्याग और विश्वास की पहचान है। उनके जन्मदिन पर मिल रही बधाइयां और शुभकामनाएं इस बात का प्रमाण हैं कि उन्होंने दिलों में जगह बनाई है। जन्मदिन के इस पावन अवसर पर उनके मित्र सहयोगी सभी उनके स्वस्थ, दीर्घ और ऊर्जावान जीवन की कामना कर रहे हैं। जन्म दिन के उपलक्ष्य में आज दोपहर 12 बजे हिरदेनगर स्थित मॉ छपरावाली माता के मंदिर में पूजन अर्चन किया जायेगा। इसी के साथ शाम 4 बजे भाजपा कार्यालय में कार्यकर्ताओं के द्वारा जन्म दिन मनाया जायेगा। वहीं शाम 6 बजे महिष्मति घाट में महाआरती का आयोजन होगा। साथ ही विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन भी किये जायेंगे।

प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 अंतर्गत दावा-आपत्ति 29 दिसंबर तक आमंत्रित

मण्डला। प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी घटक 2.0 अंतर्गत भूमिहीन आवेदकों को मध्यप्रदेश नगरीय क्षेत्रों के भूमिहीन व्यक्ति अधिनियम 1984 के अंतर्गत आवासीय भूमि के पटटे के लिए आवेदकों की गठित दल द्वारा जांच की गई। जांच में 2 आवेदक पटटा के लिए पात्र एवं 44 आवेदक पटटा के लिए अपात्र पाये गये हैं। कुल 46 आवेदकों की प्रारंभिक प्रथम सूची का प्रकाशन किया गया है।

सड़क, घाट, पुलिया निर्माण पर लग रहे विभिन्न आरोप

पर्यटन के नाम पर करोड़ों की होली

*** कौन करेगा जांच क्या दोषियों पर होगी कार्यवाही।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

पुरातत्व की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है हमारा जिला इसके साथ ही इस जिले की ऐतिहासिक विरासत भी इसे पर्यटन के क्षेत्र में अग्रणी बनाती है जिले में पर्यटन को लेकर विभिन्न कार्य किये जा रहे हैं और पहले भी हो चुके हैं इन निर्माण कार्यों में कितनी राशि खर्च हुई तथा उस राशि का सदुपयोग हुआ या फिर पर्यटन के नाम पर सिर्फ लीपापोती करके ही राशि हजम कर ली गई एक तो पर्यटन को लेकर जिले में कहाँ-कहाँ कौन से निर्माण कार्य चल रहे हैं इसे सार्वजनिक नहीं किया जाता निर्माण कार्य की राशि एवं निर्माण अवधि भी नहीं बताई जाती और तो और निर्माण एजेंसी भी कौन है यह भी ज्ञात नहीं होता अब जानकारी यदि ले भी तो किससे क्या लोगों तक सही जानकारी पहुंचाने के लिए सूचना के अधिकार ही एकमात्र जरिया रह जाता है उसमें भी संबंधित अधिकारी जिस तरह से समय गंवाते हैं वह जग जाहिर है और यदि जानकारी नहीं देनी है तो नहीं देना फिर आप भले ही ऊपर तक शिकायत करते रहो समय इतना बीत जाता है कि निर्माण कार्य की खामियां दब कर रह जाती हैं।

रामनगर पर्यटन के दृष्टिकोण से जिले में महत्वपूर्ण स्थान रखता है प्रतिवर्ष यहां आदि उत्सव का आयोजन होता है जिसमें कभी प्रधानमंत्री तो कभी उपराष्ट्रपति भी शामिल होते रहे हैं विभिन्न प्रदेशों के मुख्यमंत्री भी इस उत्सव में शामिल होते हैं और गौंड़ राजाओं की राजधानी कहे जाने वाले रामनगर में पर्यटन को बढ़ावा देने विभिन्न कार्य किए गए एक ओर तो मोती महल को बेहतर किया गया राय भगत की कोठी को संवारा गया आसपास के अन्य ऐतिहासिक धरोहरों को सहेजने का कार्य किया गया यह सभी कार्य स्वागत योग है लेकिन प्रश्न यह उठता है क्या इन कार्यों को और भी बेहतर तरीके से अंजाम दिया जा सकता था इन कार्यों में जो भारी भरकम राशि खर्च हुई क्या उससे कम में भी यह काम कराये जा सकते थे और तकनीकी रूप से जो गुणवत्ताहीन कार्य हुए हैं क्या उनकी कभी जांच की गई दोषियों पर कभी कोई कार्यवाही की गई ऐसा कोई उदाहरण नजर नहीं आता यही कारण है कि मध्य प्रदेश पर्यटन विभाग मनमाने तरीके से यहां निर्माण कार्य कर रहा है।

अब हाल ही में दल बादल महल तक जाने के लिए मुख्य मार्ग से एक रास्ते का निर्माण किया गया है उस रास्ते में पुलिया भी बनाई गई है इन सब की अनुमानित लागत लगभग 28 से 30 लाख बताई जा रही है काम इतना बेहतर हुआ है कि आप भी देखकर हैरान रह जाएंगे एक साधारण सा आदमी भी इससे अच्छी सड़क बनवा सकता था आसपास की मिट्टी को खोदकर उस पर डस्ट डाल दी गई है और काम पूरा हो गया बताया जा रहा है एक और आश्चर्यजनक बात यह है कि इस सड़क के बीचों बीच एक विद्युत पोल खड़ा है अब यदि सड़क चार पहिया वाहनों के जाने के लिए बनी है तो फिर बिजली के खंबे के होते हुए कैसे कोई चार पहिया वाहन आगे जा सकता है क्या सड़क निर्माण के दौरान इसे नहीं देखा गया और देखा गया था तो इसे कहीं और शिफ्ट करने की कोशिश क्यों नहीं की गई या फिर सड़क ही इससे हटकर क्यों नहीं बनाई गई इस तरह के निर्माण को लेकर क्या कोई कभी जांच भी होती है या यूं ही मामला चलता रहेगा।

मोती महल में पहले से ही पर्यटन विभाग द्वारा एक शौचालय बनाया गया है एक सुलभ घर पंचायत द्वारा निर्माण किया गया है अब पुनः पर्यटन विभाग द्वारा एक शौचालय निर्माण का कार्य यहां पर कराया जा रहा है जो की किले परिसर में ही होगा ऐसा कहा जा रहा है जबकि एक ओर तो यह संरक्षित क्षेत्र है यहां तो किसी तरह का गड्ढा भी करना प्रतिबंधित है तो फिर बार-बार शौचालय निर्माण क्यों और किस लिये पर्यटन विभाग बना रहा है स्थानीय लोगों में इस बात को लेकर रोष भी देखा जा रहा है।

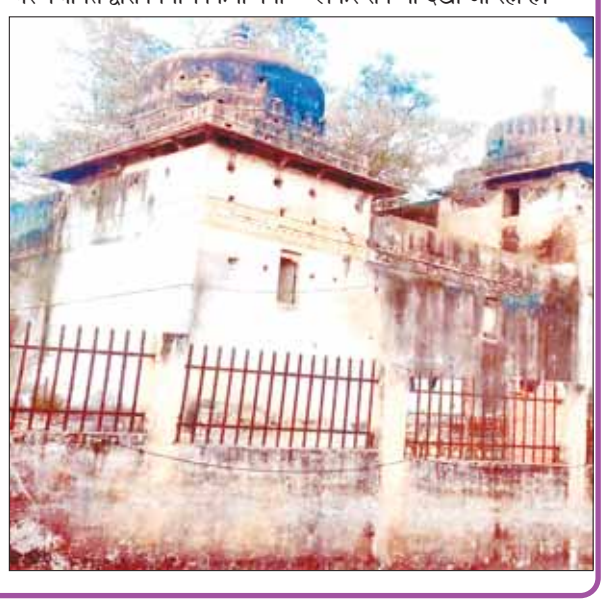

एक हजार परिक्रमावासियों के साथ मण्डला पहुंचे आचार्य श्री कौशिक जी महाराज

*** मण्डला की एतेहासिक विरासत की दी गई जानकारी।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

परमपूज्य संत आचार्य श्री कौशिक जी महाराज का नर्मदा परिक्रमा के दौरान लगभग एक हजार परिक्रमावासियों के साथ आज मण्डला आगमन हुआ। अमरकंटक से चलकर कौशिक जी महाराज शनिवार की देर रात तुलसी तपोवन गौशाला सुरंगदेवरी पहुंचे जहां पर जहां पर भक्तों द्वारा नर्मदे हर जीवन भर तथा जय श्री राधे के जयकारों के साथ जोरदार स्वागत किया। रविवार की सुबह गौशाला में सुंदरकाण्ड, भगवान शंकर का अभिषेक तथा भजन कीर्तन का आयोजन किया गया। साथ ही पुण्य सलिला मॉ नर्मदा की पूजन की गई। इसके पश्चात उन्होंने परिक्रमावासियों के साथ सूर्यकाण्ड धाम में दर्शन एवं पूजन किया।

प्रवचन के दौरान आचार्य श्री कौशिक जी महाराज ने माहिष्मती नगरी, सूर्यकुण्ड, ऋणमुक्तेश्वर कुण्ड, व्यासनारायण तथा सहस्त्रधारा के धार्मिक एवं पौराणिक महत्व पर विस्तार से जानकारी देते हुये भक्तों से नर्मदा के जल तथा तट को स्वच्छ रखने का आव्हान किया। परिक्रमावासियों का काफिला रविवार की दोपहर पिपरिया के लिये रवाना हुआ। आचार्य श्री कौशिक जी महाराज ने 4 दिसम्बर को लगभग एक हजार भक्तों के साथ ओमकारेश्वर से नर्मदा परिक्रमा प्रारंभ की है जो 24 दिसम्बर को सम्पन्न होगी।

गलत वैक्सीन की वजह से हुई नवजात शिशु की मौत

*** सूक्ष्मता से जांच के संबंध में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी बिछिया ने ज्ञापन सौंपा।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला/भुआबिछिया

नगर के स्वामी विवेकानंद वार्ड क्रमांक 10 के निवासी किरण चौधरी के डेढ़ माह के बच्चे को वैक्सीन लगने से हुई मौत वही जानकारी के मुताबिक वैक्सीन लगने के बाद बच्चे का शरीर धीरे-धीरे नीला पड़ने लगा जिससे कि बच्चे की मौत हो गई। इस घटना के विरोध में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी बिछिया आज दिनांक 21/12/25 दिन रविवार को अनुविभागीय अधिकारी के नाम तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा एवं मांग की गई कि गलत वैक्सीन की वजह से हुई नवजात शिशु की मौत के संबंध में सूक्ष्मता से जांच की जाए एवं पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा प्रदान किया जाए।

जिसमे ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष प्रदीप गोस्वामी, विधायक प्रतिनिधि टेकराम राय, झुन्ना ठाकुर, मेवा धुर्वे जनपद सदस्य, दादा भाई विश्वकर्मा दादू लाल जंघेला टोनी मिश्रा अमन राजपूत निखिल राजपूत युवक कांग्रेस विधानसभा उपाध्यक्ष टीका तुम्राली अक्षत झारिया योगेश चौबे महावीर यादव मोंटू खान राजा खान समेत सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

हरिभूमि

जन्मदिन उत्सव महाबम्पर ड्रा

सांत्वना पुरस्कार विजेताओं के नाम

रायपुर संस्करण - 1042. राजू साहू पिता\पति चंद्रकांत साहू पता- डूमर तालाब रायपुर 1043. यामिनी देवांगन पिता\पति श्री जितेन्द्र देवांगन पता - न्यू चंगोरा भाटा रायपुर 1044. संस्कृति सोनकर पिता\पति संदीप सोनकर पता- सत्ती मंदिर सोनकर पारा पुरानी बस्ती रायपुर 1045. एश्वर्या देवांगन पिता\पति मनोज देवांगन पता - भीम नगर 1046. केशव देवांगन पिता\पति श्री प्रशांत देवांगन पता - रायपुर टिकरापारा 1047. श्रीमति सुषमा साहू पिता\पति स्व. श्री वी. आर. साहू पता-पोटिया कला न्यूज़ मिनाक्षी नगर दुर्ग, 1048. निशा प्रसाद पिता\पति राजपत प्रसाद पता-दुर्ग, 1049. कली राम यादव पिता\पति श्री प्रसादी राम यादव पता-बैगा पारा दुर्ग, 1050. योगेश सिंह राजपूत पिता\पति लतेल सिंह राजपूत पता-बजरंग नगर दुर्ग, 1051.लक्ष्य पटेल पिता\पति श्री दुर्गेश पटेल पता-पटेल पारा उरला दुर्ग, 1052. रेवा राम यादव पिता\पति कन्हर यादव पता-कसारीडीह दुर्ग, 1053. देवेन्द्र कुमार साहू पिता\पति भिखम साहू पता-गातापार बेल्हारी दुर्ग, 1054. रामदास मानिकपुरी पिता\पति स्व. बिसम्भर दास पता-टेमरी सुरमा दुर्ग, **बिलासपुर संस्करण -** 1055. प्रांजल वर्मा पिता/पति - संतोष कुमार वर्मा पता - सरगुजा 1056. सुनील मुंडा पिता/पति - राम रतन मुंडा पता- सरना पारा 1057. अनिल कुमार अग्रवाल पिता/पति- निरंजन अग्रवाल पता- जोड़ा पीपल अम्बिकापुर 1058. मेधा गोयल पिता/पति - आयुष गोयल पता - भैयाथान सूरजपुर 1059. ज्ञानेश्वरी एक्का पिता/पति- छबि लाल एक्का पता- बलरामपुर 1060. सना आफ़रीन पिता/पति- अमीन अख्तर पता- जरहागढ़ महामाया रोड 1061. मालवाती सिंह पिता/पति- जगत सिंह पता -नमनकला सटीक पार1062. पंकज राज भगत पिता/पति- इदर साय भगत पता - नायपार फूँदडीह अम्बिकापुर 1063. अलफिया फातिमा सिद्दीकी पिता/पति- मकसूद अहमद पता - बरेजपारा सदर रोड लक्ष्मी चौक 1064. बेनेदीक तिर्की पिता/पति - एलबस तिर्की पता - तुलसी चौक गंगापुर अम्बिकापुर 1065. श्रीमती सीमा केडिया पिता/पति- अजय कुमार केडिया पता - देवीगंज रोड अम्बिकापुर 1066.दीपमाला कुशवाहा पिता/पति - रोशन लाल कुशवाहा पता - केदारपुर अम्बिकापुर 1067. ऋचा दुबे पिता/पति - केनाबन्ध बौरिपारा अम्बिकापुर 1068. सिकंदर दास पिता/पति -मणिपुर चौक अम्बिकापुर 1069. स्नेह लता मेहता पिता/पति - कन्या परिसर रोड कमल भवन अम्बिकापुर 1070. नमन मिश्रा पिता/पति- राजेन्द्र कुमार मिश्रा पता - शीतल किरना स्टोर के पास गंगापुर 1071. रीता केरकेटा पिता/पति- राजेश बरवा पता - गंगापुर स्कूल पारा अम्बिकापुर 1072. वासु गुप्ता पिता/पति - महेंद्र प्रसाद गुप्ता पता - ब्रहम रोड सती पारा अम्बिकापुर 1073. आदिती पिता/पति- रिंकू पता - केंटीन दफई हरदी बाड़ी 1074. ममता मिश्रा पिता/पति - कृष्णा कुमार मिश्रा पता- मिशन चौक अम्बिकापुर 1075. हारून रसीद पिता/पति - मुस्ताक अहमद पता- वार्ड- 36, महामाया रोड 1076. प्रवीण कुमार मिश्रा पिता/पति -कृष्णा कुमार मिश्रा पता- मिशन चौक अम्बिकापुर 1077. शिवंशी सिन्हा पिता/ पति - शिव प्रकाश सिन्हा पता - शीतल वार्ड - 32, अम्बिकापुर 1078. आदित्य एक्का पिता/पति - मंगल एक्का पता - सूरजपुर बस स्टैन्ड 1079. पूनम फातिमा पिता / पति - शिवनाथ पता - अम्बिकापुर 1080. राजकुमार वैष्णव पिता/पति- भगत वैष्णव पता - गंगापुर अम्बिकापुर 1081. अशोक कुमार भगत पिता/पति - भुनेश्वर राम भगत पता - नमनकला राज मोहनी देवी वार्ड ,**भोपाल संस्करण** 1082. अब्दुल लतीफ खान पिता\पति - अनीस उर रहमान कसेरापुरा शाहजानाबाद भोपाल,1083.दिशा जैतवाल पिता\पति–दीपक जैतवाल बैरागढ़कला, 1084. दीपक चौकसे पिता\पति - जमना प्रसाद11लाम्बाखेड़ा, 1085. प्रेम शंकर कोरी पिता\पति - दुर्गा प्रसाद कोरीबाग मुगलिया श्रीराम नगर, 1086. तालिका पटेल पिता\पति - कमलेश पटेल मकान न. 36 नई बस्ती बाग मुगलिया, 1087. सिदरा खान पिता\पति - इजराइल खान193 नयापुरा पंचशील नगर, 1088. आकृति सेन पिता\पति - सुरेन्द्र सेन चार इमली भोपाल, 1089. आदित्य शर्मा पिता\पति - सोमेश शर्मा कृषक नगर, 1090. नेहा विश्वकर्मा पिता\पति - विश्वकर्मा नगर करोद भोपाल, **जबलपुर संस्करण-** 1091. संजय नामदेव पिता\पति - स्वर्गीय राम मिलन नामदेव निगवानी रोड कोतमा वार्ड नंबर 4, 1092. स्मृति द्विवेदी पिता\पति - श्री आलोक नारायण द्विवेदी अनूपपुर वार्ड नंबर 13, 1093. मीमांशा सनादय पिता\पति - प्रणय कुमार शर्मा वार्ड नंबर 9 जैतहरी मार्ग अनूपपुर, 1094. गौरी सोनी पिता\पति - श्री बाला प्रसाद सोनी कोतमा, 1095. आयुष साहू पिता\पति - श्री अजय साहू जबलपुर, 1096. सोनू साहू पिता\पति - समदड़िया ग्रीन सिटी विजयनगर, 1097. अमर चौधरी पिता\पति - आसाराम चौधरी मकान नंबर 93 प्रेम सागर पुलिस चौकी के पास,1098. मकसूद अहमद बरेसपारा अम्बिकापुर 1099. अर्चना चौबे शंकर घाट अम्बिकापुर 1100. अजय कुमार पासवान बनारस रोड गांधीनगर।

नियम एवं शर्तें लागू* शेष विजेताओं की सूची के लिये पढ़ते रहिए हरिभूमि

अनदेखी | **पत्थर बनी सीमेंट, लोहे में लग गया जंग और मिट्टी हो गई रेत।**

अब कैसे होगा नाली निर्माण कार्य

*** ग्राम पंचायत तिलईपानी का अनोखा निर्माण कार्य।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

मण्डला जनपद की ग्राम पंचायत तिलईपानी में सरपंच सचिव की लापरवाही के कारण पिछले 09 माह से नाली निर्माण कार्य नहीं हो पा रहा नाली निर्माण के लिये पंचायत द्वारा लोगों के घरों के सामने जेसीबी मशीन से गड्ढे तो कर दिये गये लेकिन आगे का काम नहीं किया जा रहा स्थिति यह हो रही है कि इस नाली निर्माण के लिये जो सीमेंट मंगाई गई थी वह सीमेंट इन 09 महीनों में पत्थर बन गई है नाली निर्माण हेतु जो लोहा मंगाया गया था उसमें जंग लग गई है और जो रेत लाई गई थी वह भी बारिश में बहकर मिट्टी में मिल चुकी है।

एक काम अवश्य पंचायत द्वारा समय पर किया गया है कि सीमेंट लोहा और रेत की सप्लाई जिसके द्वारा की गई थी उसका भुगतान अवश्य कर दिया गया है।

अब सामग्री का भुगतान तो हो चुका है सामग्री रखे-रखे खराब भी हो चुकी है काम पिछले 09 माह में किया नहीं गया अब आगे नाली निर्माण कार्य कैसें होगा यह एक बड़ा प्रश्न पंचायत के लोगों के मन मे चल रहा है कारण है कि लोगों के घरों के सामने नाली निर्माण के लिये मशींन द्वारा गड्ढे तो खोद दिये गये हैं अब इन गड्ढों पर नाली का निर्माण कब और कैसें होगा यही चिंता सता रही है।

लोगबाग पिछले 09 माह से अपने ही घर में प्रवेश करने को परेशान हैं कोई पत्थर की चीप का सहारा ले रहा है तो किसी ने घर के सामन लकड़ी की पटिया डाल रखी है इनके माध्यम से किसी तरह घर के अंदर जाना हो पा रहा है बच्चों और बुजुर्गो के साथ दिक्कत और भी ज्यादा हो रही है लेकिन शिकायत के बावजूद न तो पंचायत कर्मी और न ही जनपद के अधिकारी इस ओर ध्यान दे रहे है।

खबर संक्षेप

निर्मल ग्रामो के नाम पर हो रही शासन की राशि बर्बाद, कमिशन की आड़ में प्रशासन आंखे हुई बंद

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका। देश को विकास और समृद्धि की ओर अग्रसर करने के लिए केन्द्र हो या प्रदेश सरकार गांव को साफ सुधरा और हरा भरा बनाने की कवायद में है और इसके लिए शासन प्रशासन निर्मल ग्राम बनाने के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है। इसके लिए समय समय पर गांव को चयानित कर वहां पर लाखो करोड़ो रूपये की राशि खर्च की जा रही है, जिसमें गांव के प्रत्येक परिवारो के घरो में शौचालय बनाये गये है। मगर उन शौचालयों की सच्चाई शायद ही किसी से छिपी हो क्योंकि शासन की राशि से बने हुए शौचालय यदि अपना एक जन्म दिन मना ले तो बहुत बड़ी बात समझी जावेगी? वही दूसरी ओर देखा जा रहा है कि गांव में पक्की नालियां सड़क और कुडादान व जल स्त्रोतो को साफ सुधरा बनाया जाना है और इसकी देख रेख के लिए जिला स्तर पर हर ब्लाक में अलग से कर्मचारी भी नियुक्त किये गये है। जिन्हे वेतन के रूप में मोटी रकम और भ्रमण करने के लिए वाहन उपलब्ध कराये गये है। लेकिन ये अधिकारी कर्मचारी अपनी आफिसो में बैठे बैठे ही योजना का संचालन कर रहे है और इसका परिणाम यह देखने में आ रहा है कि गांव में बनायी गई सड़के एक दो वर्षो में ही पूरी तरह उखड़ चुकी है, बनाये गये शौचालय कचरो एवं कूडादानो में तब्दील हो गयी है? कचरा घर टूट गये है, जल स्त्रोतो के समीप हरी घासे एवं दल दल निर्मित हो गयी है। मगर इसके बाबजूद शासन द्वारा इन निर्मल ग्रामो को पुरूस्कार द्वारा नवाजा गया था, जिसमें लाखो रूपये की इनाम राशि को भी सरपंच सचिवो ने डकार ली गई है..? यदि इन गांवों की सच्चाई पर गौर किया जावे तो अनेक पंचायते तो इस प्रकार की जहां पर लोग आज भी शौच के लिए बाहर जाते हुए नजर आते है और दूसरी ओर सड़कों की गुणवत्ता को दर किनार करते हुए कमीशन की आड़ में अधिकारियों द्वारा उन्हें पास कर दिया गया है जो चंद दिनों के बाद भी टूटना शुरू हो चुकी है।

फाईनेस कंपनी की महिला कर्मचारी को दी जान से मारने की धमकी

गाडरवारा। नगर के पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस नर्मदा कालोनी इंद्रावार्ड निवासी तथा भारत फाईनेस कंपनी में रिकवरी का काम करने वाली एक महिला कर्मचारी द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है जब वह अपने किसी काम से कही जा रही थी उसी दौरान बीटीआई स्कूल के पास कुंज बिहारी जाटव नामक युवक मिला और गंदी गंदी गालिया देने लगा। जब प्रार्थिया द्वारा गालिया देने से मना किया तो आरोपी द्वारा जान से मारने की धमकी दी गई। घटना को लेकर पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

चाचा ससुर ने भतीजे की पत्नी से की मारपीट

गाडरवारा। समीपस्थ सालीचौका पुलिस चौकी से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस ग्राम छोटी बनखेड़ी निवासी एक महिला द्वारा पुलिस थाने में अपने चाचा ससुर के खिलाफ पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि जब वह अपने खेत पर काम करने के लिये जा रहे थी। उसी दौरान रास्ते में प्रार्थिया के चाचा ससुर यानि की मुन्नालाल अहिरवार रास्ते में मिला और पुरानी बुराई को लेकर गंदी गंदी गालिया देने लगा। जब प्रार्थिया द्वारा गाली देने से मना किया तो आरोपी द्वारा मारपीट करते हुये जमीन पर पटक दिया गया तथा जान से मारने की धमकी दी गई। घटना को लेकर पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर आरोपी चाचा ससुर के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

पत्थर की चीफ मारकर चोट पहुंचाई

गाडरवारा। नगर के पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस ग्राम इमालिया स्टेशन निवासी एक युवक द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि जब वह अपने कांच मंदिर के पास चाय नास्ता ढुकान पर था उसी समय जानकारी मिली की प्रार्थी के पिता अमरचंद कीर के पास किसी के द्वारा मारपीट की जा रही है। सूचना के चलते जब प्रार्थी द्वारा मौके पर जाकर पहुंचा तो वहां पर मेर सिंह कीर अपने हाथ में पत्थर की चीफ हाथ में लिये खड़ा था और प्रार्थी के पिता को गाली दे रहा था कि आज मिला जिन्दा नही छोड़ेगे।

शहर के खेल मैदान सहित जहां तहां फैल रही नशे की सामग्री उजागर कर रही सच्चाई...

नगर सहित क्षेत्र में फैल रहे नशे के अवैध कारोबार के चलते युवाओं की जिन्दगी हो रही बर्बाद

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। नगर सहित गाडरवारा क्षेत्र में नशे का अवैध कारोबार मुख्य रूप से स्मैक पावडर के धंधे ने जिस तरह से पैर जमाये गये है उसके चलते अनेक युवा इसकी चपेट में आने के चलते जहां अपनी जिन्दगी बर्बाद कर चुके है। वही दूसरी ओर देखा जावे तो इसकी चपेट में लगातार युवाओं को आते हुये देखा जा रहा है। इस बात से इंकार नही किया जा सकता है कि पुलिस द्वारा इसके खिलाफ कार्यवाही नही की जा रही है। क्योंकि बीते हुये लगभग 6 महिनों के अंदर उप पुलिस अधीक्षक रत्नेश मिश्रा के मार्ग दर्शन तथा नगर निरीक्षक विक्रम रजक के नेतृत्व में इस अवैध कारोबार को लेकर चलाई गई मुहिम के चलते जहां स्मैक से जुडे हुये कारोबारियों को पकड़ने में सफलता हासिल करते हुये इस पुलिस की टीम इस बात का पता लगाने में भी सफल हो चुकी है कि इस अवैध कारोबार के तार पडौसी प्रांत राजस्थान से जुडे हुये है। क्योंकि पुलिस द्वारा चलाई गई इस मुहिम में राजस्थान प्रांत के अनेक सौदागर भी पुलिस की गिरफ्त में आने से नही चूक पाये थें...? इस तरह देखा जा रहा था कि पुलिस द्वारा आये दिन मादक पदार्थ के कारोबारियों को पकड़ने में सफल होते हुये देखी जा रही है। पुलिस की कार्यवाही से यह बात तो स्पष्ट हो चुकी है कि गाडरवारा क्षेत्र मादक पदार्थो में मुख्य रूप से स्मैक पावडर के अवैध कारोबार को लेकर मंडी बन चुका है..? मगर इसकी चपेट में आने के चलते युवाओं की जिन्दगी बर्बाद होने से नही चूक पाई है और हाल इस तरह का बन चुका है कि उन्हें स्मैक पावडर नही मिल रहा है तो वह गांजा या फिर अन्य प्रकार के इंजेक्शन सहित अन्य प्रकार के मादक पदार्थो का सहारा लेने में पीछे नही रह रहे है। यह सच्चाई नगर के पुराने कालेज खेल मैदान सहित नगर की कालोनियों के खाली पड़े हुये भूखंडों के साथ साथ वायपास मार्ग पर आसानी से देखी जा सकती है। जहां पर सड़क किनारे पड़े हुई इंजेक्शन की सीरेंट व निडिल बता रही है कि नगर के युवा किस तरह नशे की गिरफ्त में आ चुके है। शहर के पुराने कालेज खेल मैदान का हाल तो यह बना हुआ है कि यहां पर स्थित शिव मंदिर वाला एकांत क्षेत्र में फैल रही नशे के लिये उपयोग की गई सामग्री युवाओं की सच्चाई को उजागर करने में कोई कसर नही छोड़ रही है..? बताया जाता है कि यहां पर शाम से लेकर देर रात तक नशे की लत के शिकार युवाओं की महफिले जमा रहती है और वह अपनी लत को इंजेक्शन के माध्यम से पूरी करने से नही चूकते है। क्योंकि यहां पर बिखरी हुई इंजेक्शन की सिरेंज व निडिलों को देखते हुये इस तरह से प्रतीत हो रहा है कि मानों यहां पर कोई डाक्टर की क्लिनिक संचालित हो रही हो..? सही मायने में देखा जावे तो यहां पर न तो कोई डाक्टर का आवास है और न ही किसी तरह की कोई क्लिनिक। यह सामग्री युवाओं द्वारा अपनी लत को पूरा करने के लिये उपयोग किये जाने वाले इंजेक्शन व निडिल शहर के उन युवाओं की सच्चाई को उजागर करने से नही चूक रही है जो इसकी गिरफ्त में आ चुके है। इस तरह से गाडरवारा क्षेत्र के पहचान दुनिया के मानचित्र में एक शांति प्रिय नगर में जानी जाती थी उस पहचान पर अब ग्रहण लगाते हुये दिखाई देने से नही चूक पा रहा है..? इस बात से इंकार नही किया जा सकता है कि इस तरह नशे की लत का शिकार हो रहे युवाओं को बचाने के लिये प्रशासन द्वारा कोई कदम नही उठाया जा रहा है। युवा पीढ़ी के साथ साथ समाज को नशा से मुक्त किये जाने के लिये शासन प्रशासन द्वारा आयोजित किये जाने वाले कार्यक्रम व कार्यशालाये मात्र औपचारिकता पूर्ण दिखाई देते हुये जान पड़ रही है..? इस तरह शहर के बीचों बीच व शिक्षण संस्थाओं के समीप खेल मैदान अपनी नशे की लत पूरी करने वालों के लिये मुख्य केन्द्र के रूप में उपयोग होना उन अभिभावकों को चिंता में डालने से नही चूक रहा है जिनके बच्चें यहां पर शिक्षा ग्रहण करने के लिये पहुंचते है। वही दिन दूसरी ओर दिन भर इस खेल मैदान पर नगर के अनेक युवा व किशोर खेलने के लिये पहुंचते हुये देखे जाते है। इस तरह नगर के खेल मैदान के पास ही जिस तरह नशे की लत पूरी करते हुये जब इन नशेड़ियों को देखते होगे तो आसानी से इस बात का अनुमान लगाया जा सकता है कि उनके ऊपर क्या असर पड़ता होगा...?

आटो चालक आमजन की जिन्दगी को डाल रहे खतरे में प्रशासन की चुप्पी से हो रहे हौसले बुलंद

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। जहां एक ओर आये दिन पुलिस प्रशासन के अधिकारियों को शहर से लेकर बाहरी मार्गो पर दो पाहिनों के खिलाफ कार्यवाही करते हुये जरूर देखा जाता है। इस कार्यवाही के चलते निश्चित ही लोगों की मनमानी पर अंकुश लगता है। मगर सबाल यह पैदा हो रहा है कि आटों चालकों द्वारा की जाने वाली मनमानी को नजर अंदाज क्यों किया जा रहा है जो खुलेआम अपने आटों में ओबर लोडिंग करते हुये लोगों की जिन्दगी के साथ खिलबाड़ करने से नही चूक रहे है। यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो शहर के अंदर आटों चालकों के हौसले इतने बुलंद नजर आ रहे है कि वह चार यात्रियों की क्षमता के साथ सबारी ढोने की अनुमति के बीच अपने आटों में दस दस सबारी भेड बकरी की तरह भरते हुये पुलिस थाने के सामने से फर्राटे मारते हुये खुलेआम निकलने के बाद भी कार्यवाही न होना निश्चित तौर से आटों चालकों की मनमानी पर उनके हौसले बुलंद होने से नही चूक रहे है? मामला यहां तक ही सीमित नही रह गया है इन आटों चालकों की मनमानी का दूसरा उदाहरण नगर के रेलवे स्टेशन से शहर की ओर आने वाले मार्ग पर लगी हुइ चाय पान दुकानों के सामने उस समय देखने मिलता है जब आटों चालक अपने आटों को मुख्य मार्ग पर खड़ा करते हुये चाय पान दुकानों पर खड़े होकर गप्पे मारते हुये देखे जाते है और इस स्थिति में आम लोगों के लिये आने जाने में परेशानियों का सामना करने के लिये मजबूर होना पड़ता है। वही शहर के अंदर का हाल तो इस तरह होता है कि आटों चालक अपने सबारियों को बैठाने या फिर उतारने के लिये सड़क पर चलते चलते अचानक कही भी रोकने से नही चूकते है। इस स्थिति में जब आटों के पीछे कोई वाहन जा रहा होता है और अचानक इन आटों के मुख्य मार्ग पर रोक देने की स्थिति में आटों के पीछे चलने वाला वाहन दुर्घटना ग्रिस्त होने से नही चूक पाता है? जबकि नियम के अनुसार जब कही कोई सबारी बैठाना या फिर उतारना होता है तो आटों को सड़क किनारे खड़ा करना चाहिये मगर इन आटों चालकों की मनमानी इस तरह से देखने मिल रही है कि वह खुलेआम सड़क के बीचों बीच अचानक आटों को रोकते हुये लोगों की जिन्दगी को खतरे में डालने से नही चूक रहे है। इस संबंध में जब आटो चालक संघ के अध्यक्ष अमित दुबे से चर्चा की गई तो उनका कहना है कि आटों चालकों द्वारा ओबर लोड़गि सबारियाँ भरने के साथ इस तरह सड़को के बीचों बीच की जाने वाली मनमानी को लेकर अनेकोबार अधिकारियों को आवेदन देते हुये कार्यवाही की मांग की जा चुकी है। मगर अधिकारियों द्वारा कार्यवाही नही किये जाने का परिणाम है कि आटों चालक अपनी मनमानी पर उतारू हो रहे है। अब सबाल यह पैदा हो रहा है कि जब आटों चालक संघ अध्यक्ष द्वारा खुद ही आटों चालकों की मनमानी पर अंकुश लगाने के लिये कार्यवाही की मांग करने से नही चूक रहे है इसके बाद भी प्रशासन द्वारा सच्चाई को नजर अंदाज करने का मलतब है कि अधिकारी खुद ही सड़क दुघर्टनाओं का बढ़ावा देने की सोच रखे हुये प्रतीत होने से नही चूक रहे है....?

ट्रेक्टर की टक्कर से मोटर साईकिल सवार घायल

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। समीपस्थ सालीचौका पुलिस चौकी से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस केहर सिंह पिता पूरनलाल मेहरा उम्र 45 साल निवासी गार्ड क्रमांम 8 तेंदूखेड़ा द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि बीते हुये दिवस वह राहुल मेहरा के साथ अलग-अलग मोटर सायकिलो से रसोई कार्यक्रम में शामिल होने के लिये ग्राम बसुरिया सालीचौका आये हुये थें। वह जब वापस आपने घर जा रहे थें। उसी दौरान सालीचौका डांग के पास सालीचौका तरफ से आ रहे न्यू हालैन्ड कम्पनी का नीले रंग का ट्रेक्टर-ट्राली के चालक ने अपने ट्रेक्टर-ट्राली को सामने तरफ से तेजगति व लापरवाही पूर्वक खतरनाक तरीके से चलाते हुये लाया और केहर सिंह मेहरा को सामने से टक्कर मार दी गई। जिसके चलते केहर सिंह मोटर-साईकिल सहित रोड पर गिर गया। वही ट्रेक्टर चालक अपने ट्रेक्टर-ट्राली लेकर वहाँ से जाने लगा तो पीछे से आ रहे राहुल मेहरा मोटर सायकिल से उक्त ट्रेक्टर-ट्राली के पीछे गया लेकिन ट्रेक्टर चालक द्वारा टैक्टर-ट्राली को तेजगति से भगा कर ले जाने में सफल हो गया। वही राहुल मेहरा ने टैक्टर-ट्राली पर लिखे शब्दो को देख लिया था जो ट्रेक्टर न्यू हालैन्ड कम्पनी का नीले रंग का था जिसमे नम्बर नहीं था ट्राली भी नीले रंग की थी । ट्राली मे रेवांश कौरव कृषि फार्म पुआरिया गाडरवारा लिखा था। घटना को लेकर पुलिस ने प्रार्थी की शिकायत पर आरोपी ट्रेक्टर चालक के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

नशा छोड़ने की गोली न देने पर की पिटाई

गाडरवारा। नगर के पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस पंचवटी कालोनी निवासी एक व्यक्ति द्वारा पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि जब वह बाजार समान खरीदने के लिये गया हुआ था उसी समय राहुल गुप्ता निवासी चावडी वार्ड मिला और बोला की मुझे नशा छोड़ने की गोली देदो तो प्रार्थी द्वारा गोली देने से इंकार किये जाने की बात को लेकर गंदी गंदी गालिया देते हुये मारपीट कर चोटे पहुंचाई तथा जान से मारने की धमकी दी गई।

जनशिक्षा केंद्रों में कक्षा पहली दूसरी के शिक्षकों का शैक्षिक संवाद कार्यक्रम आयोजित

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। राज्य शिक्षा केंद्र के निर्देशों के परिपालन में प्रतिमाह शनिवार को होने वाले शैक्षिक संवाद का आयोजन चीचली तथा साईखेड़ा विकास खंड के सभी जन शिक्षा केन्द्रों में कार्यक्रम आयोजित किये गये। शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय चीचली के शैक्षिक संवाद को संबोधित करते हुए जिला शिक्षा अधिकारी प्रतुल इंदुरख्या, जन शिक्षा केंद्र प्राचार्य भूपेश ठाकुर तथा हाई स्कूल गांगई प्राचार्य वीरेंद्र राजपूत ने शैक्षिक संवाद के प्राथमिक विभाग के विषय एफएलएन कक्षाओं में मिशन अंकुर के अंतर्गत प्राप्त शिक्षण सामग्री के उपयोग, स्वतंत्र रचनात्मक लेखन, कक्षा प्रबंधन रणनीति, बहु स्तरीय अधिगम स्तर के विकास पर विस्तृत चर्चा करते हुये उन्होंने कहा कि शैक्षिक संवाद से शिक्षकों में नेतृत्व गुणों में निखार एवं विषयगत कठिनाइयों का समाधान प्राप्त होता है। शैक्षिक संवाद में प्राप्त तकनीक का उपयोग शिक्षण कक्ष में परिलक्षित हो सभी शिक्षक ऐसा प्रयास करें। वही शैक्षिक संवाद केवल पुस्तकों में लिखे ज्ञान को ग्रहण करने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह विचारों के आदान–प्रदान, अनुभवों की साझेदारी और जिज्ञासा के सतत प्रवाह से विकसित होती है। इसी प्रक्रिया का मूल आधार शैक्षिक संवाद है। शैक्षिक संवाद शिक्षक और विद्यार्थी के बीच, तथा विद्यार्थियों के आपसी संबंधों में विचारों की वह सेतु-भूमि है, जो शिक्षा को जीवंत और प्रभावी बनाती है। शैक्षिक संवाद के प्रभारी सत्यम ताम्रकार तथा सहजकर्ता मन्नालाल पटले, गिरीश ताम्रकार, दीपक मेहरा द्वारा पिछले संवाद के पोस्ट वर्क, प्रतिभागियों की अपेक्षाएं, संवाद के उद्देश्य एवं डिजाइन, शिक्षक संदर्शीका के उपयोग पर चर्चा, कक्षा प्रबंधन, सक्रिय सहभागिता, पोस्ट वर्क तथा फीडबैक पर विस्तृत चर्चा की गई। उल्लेखनीय है कि विकासखंड चीचली के उत्कृष्ट विद्यालय चीचली, कठौतिया, सूखाखैरी, तेंदूखेड़ा, करपगांव, शाहपुर, सालेचौका, बारहाबड़ा, कठौतिया तथा साईखेड़ा विकास खंड के कन्या नवीन, आमगांव छोटा व नगर के शासकीय आदर्श स्कूल, बम्होरीकला, पलोह बड़ा, बनवारी जन शिक्षा केंद्र में शैक्षिक संवाद का आयोजन डाइट नरसिंहपुर से प्रशिक्षित जनशिक्षकों तथा सहजकर्ताओं द्वारा किया गया।

सरकारी संपत्ति अनुपयोगी साबित होने के साथ स्वच्छता अभियान पर खड़े कर रही सवाल...

हरिभूमि न्यूज/सिंहपुर छोटा । विगत कुछ वर्ष पूर्व जिस प्रकार से गाडरवारा तहसील क्षेत्र के अंतर्गत अनेक ग्रामीण क्षेत्रों में सांसद, विधायक निधि या अन्य मदों से लाखो रूपए खर्च कर क्षेत्र के गांवों में जो यात्री प्रतिक्षालय बनवाये गए थे, उनकी दशा शोचनीय हो गयी है तथा वे सिर्फ शोपीस बनकर रह गए है। जानकार सूत्रो के अनुसार बसो की आने की प्रतीक्षा के दौरान लोग इनका उपयोग न के बराबर करतें है। हरिभूमि से चर्चा करते हुए ग्रामीणजनों ने बताया कि यात्री प्रतीक्षालयों का निर्माण करते वक्त जगह की उपयोगिता का ध्यान नही रखा गया है। इस कारण कोई उनका उपयोग करना पसंद नही करता है। इस संबंध में क्षेत्र की ग्रामों के जागरूक लोगों का कहना है कि अनेक गांव ऐसे भी है जिनकी सीमा से बाहर यात्री प्रतिक्षालयों का पूर्व में निर्माण हुआ है। इन प्रतिक्षालयों में दरबाजे तक नहीं है और साफ सफाई के अभव में ये बस यात्रियो के बैठने लायक नही रह गए है, चिन्ता की बात यह है कि कई यात्री प्रतिक्षालय असामाजिक तत्वो के बैठक खानो में बदल कर उन्हें शराब पीने के लिये सुरक्षित स्थानों के रूप में तब्दील करने में कोई कसर नही छोड़ी गई है तो कुछ में लोगों ने इन यात्री प्रतिक्षालयों में अपनी दुकाने लगाकर अतिक्रमण कर लिया है, इनके निर्माण का मकसद पूरा नहीं होने से ये यात्री प्रतीक्षालय शासन के धन की होली खेलने की मिसाल पेश कर रहे है। वही दूसरी ओर कुछ दिनों पहले जिस तरह नेताओं से लेकर अधिकारियों द्वारा देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के स्वच्छ भारत के सपने को पूरा करने के लिये अपने हाथों में झाड़ू लेकर फोटो खिचवाते हुये देखा गया था। मगर इन सरकारी संपत्ति पर जिस तरह कचरे में अम्बार देखने मिल रहा है वह निश्चित तौर से सरकार के स्वच्छता अभियान पर सबाल खड़े करने से नही चूक रहा है।

बस में सवार महिला यात्री के बैग से गायब किये जेवर

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

नगर के पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस होशंगाबाद निवासी लीला मालवीय द्वा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि मै बीते हुये दिवस करेली से सागर वस में बैठकर अपने घर होशंगाबाद जा रही थी। मेरा बैग वस की बोनट पर रखा हुआ था तभी एक व्यक्ति ने उठाकर मेरे बैग को वस में नीचे रख दिया था एंव बोनट पर वह बैठ गया। बस गाडरवारा से निकलने के बाद ग्राम पिठहरा के पास पहुंची तो वह व्यक्ति वस से उतरकर चला गया। इसके बाद जब प्रार्थिया ने अपना बैग देखा तो बैग की चैन खुली हुई थी एवं बाजू से कटा हुआ था। वही बैग के अंदर से चेक किया तो उसमे रखे हुये जेवर गायब थें। जिसमें मुख्य रूप से जेबर के वाक्स में सोने का हार, मंगल सूत्र, झुमकी एवं मांग टीका बैदी अज्ञात चोर द्वारा पार किये जाने के चलते पुलिस द्वारा पीड़िता कीशिकायत पर अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

शिक्षण संस्थाओं में लायब्रेरी गायब फिर भी फिस वसूलना क्या मनमानी की श्रेणी में नहीं होता है..?

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। इस समय शहर में निजी शिक्षण संस्थाओं की मनमानी इस तरह से देखने मिल रही है कि वह अभिभावकों को लूटने में कोई कसर नही छोड़ रहे है। मगर पता नही कि इन शिक्षण संस्थाओं को अधिकारियों द्वारा क्या सोच के चलते संरक्षण प्रदान किया जा रहा है कि उनके हौसले लगतार बुलंद होने से नही चूक रहे है..? यदि इन शिक्षण संस्थाओं की सच्चाई पर देखा जावे तो बच्चों को लाने ले जाने के उपयोग किये जा रहे वाहनों का हाल यह बना हुआ है कि अनेक शिक्षण संस्थाओं द्वारा बच्चों को भेंड बकरी की तरह भरने से नही चूक रहे है। वही कुछ शिक्षण संस्थाओं का हाल तो यह बना हुआ है कि वह अपनी वाहनों में बच्चों को जिस तरह घुमाते हुये देखे जाते है कि बच्चों को वाहनों में बैठे हुये इतना समय व्यतीत होता है जितना समय स्कूल में नही बैठ पाते होगे। वही अनेक शिक्षण संस्थाओं में उपयोग हो रहे वाहनों का हाल यह बना हुआ है कि उनके पास न तो वाहनों का बीमा है और वाहनों की स्थिति जर्जर हालत में पहुंच जाने के बाद भी बच्चों को लाने ले जाने से नही चूक रहे है। इन वाहनों को जांच करने के नाम पर संबंधित विभाग द्वारा निभाई जाने वाली औपचारिकता का परिणाम है कि वह मासूमों की जिन्दगी के साथ खुलेआम खिलबाड़ करने से नही चूक रहे है। वही दूसरी ओर यदि शिक्षण संस्थाओं के अंदर मौजूद व्यवस्थाओं पर नजर डाली जावे तो शिक्षण संस्थाओं के अंदर न तो खेल मैदान है और नही लायब्रेरी है। मगर इसके बाद भी शिक्षण संस्थाओं द्वारा जिस तरह खेल व लायब्रेरी के नाम से फीस बसूली देखी जा रही है वह शिक्षा विभाग के अधिकारियों की भूमिका को सबालों के कटघरे में खडा करने से नही चूक रही है। नगर की कुछ शिक्षण संस्थाये तो किराये के बहु मंजिला भवनों में संचालित होते हुये देखी जा रही है। इन संस्थाओं में माप दंडों के अंतर्गत आने वाली जरूरी सुविधाये कोसो दूर तक दिखाई नही देने के बाद भी जिस तरह शिक्षा विभाग द्वारा अपनी जांच के दौरान इनको अभयदान देते हुये देखा जाता है उसी का परिणाम है कि नगर के अनेक शिक्षण संस्था बच्चों को शिक्षा प्रदान करने की जगह मात्र अपनी जेबे भरने में पीछे नही रह रही है..?

मात्र औपचारिकता ही साबित हुई शासन की कुछ साल पहले शुरू हुई स्कूलों में बच्चों को दूध पिलाने की योजना

हरिभूमि न्यूज/ सांईखेड़ा। जिस प्रकार से शासन द्वारा सरकारी स्कूलों व आंगनबाड़ी केन्द्रों में अध्ययन करने वाले बच्चों को सभी प्रकार की सुविधाएं प्रदान करने के साथ साथ उन्हें भोजन क आलवा बीते हुये कुछ वर्ष पहले सरकार द्वारा हर शासकीय स्कूल में दूध पिलाने की योजना भी शुरू की गई थी। मगर यह योजना मात्र एक औपचारिकता ही जान पड़ते हुए ही दिखाई दे रही है..? जानकारी के अनुसार जिस प्रकार से प्रदेश शासन द्वारा लगभग पांच वर्ष पूर्व यानि की वर्ष 2016 में प्राथमिक स्तर के शासकीय स्कूलों में अध्ययन करने वाले छात्र छात्राओं को माध्यान्ह भोजन के साथ साथ उन्हें स्वादिष्ट दूध पिलाने की योजना की शुरूआत करते हुए लाखो रूपया खर्च किया गया था और शुरूआती तौर पर यदि गौर किया जावे तो इस योजना को देखते हुए ते यह जान पड़ रहा था कि निश्चित तौर से इस योजना के चलते सरकारी स्कूलों में अध्ययन करने वाले बच्चें हष्ट पुष्ट बनकर अपने देश का नाम रोशन करने से नही चूकेगे? और इस योजना की शुरूआत करने के पूर्व जहां शिक्षा विभाग द्वारा आदेश देते हुए सभी स्कूलों में इसका पालन करने के भी सख्त निर्देश जारी किये गये थे, जिसके चलते शासकीय स्कूलों में शासन द्वारा दूध पावडर भेजते हुए बच्चों को दूध वितरण का कार्य शुरू कर दिया गया था..? मगर इस योजना की सच्चाई पर गौर किया जावे तो कुछ दिनों तक तो यह योजना ठीक ठाक रूप से चलते हुए देखी जा रही थी मगर इसक के बाद अब यह योजना जहां स्कूलों में पदस्थ शिक्षको के साथ साथ बच्चों को भोजन देने वाले स्वः सहायता समूहों के लिए इस प्रकार से सिर दर्द बन चुकी थी कि वह बच्चों को दूध देने की जगह शासन द्वारा भेजे गये उस दूध पावडर को आग के हबाले करने से भी नही चूक रहे थें, जिसका उदाहरण शासकीय स्कूलों में इस योजना के शुरू होने के चंद माह बाद ही देखने मिलते हुए दिखाई देने लगा था? क्योंकि शासकीय स्कूल में जिस प्रकार से शाला प्रबंधन द्वारा बच्चों के लिए शासन द्वारा भेजे गये दूध पावडर के आग के हबाले किया जा रहा है उसे देखते हुए यह बात स्पष्ट होने लगी थी कि इस योजना के नाम पर सरकार द्वारा मात्र पैसा खर्च करते हुए वाही वाली लूटने का ही प्रयास किया गया है? जिसका परिणाम है कि शायद इस योजना को अमली जामा पहनाने को लेकर न तो अधिकारी ध्यान दे रहे है और न ही शिक्षा विभाग के वह लोग जिनके द्वारा इस योजना को शुरूआत कराने के नाम पर लेकर बड़ी बड़ी बाते करते हुए बैठकों का आयोजन कर योजना को सफल बनाने के लिए अनेक महत्वपूर्ण दिशा निर्देश जारी किये गये थे? मगर इस प्रकार से प्रशासनिक अधिकाारियों की उदासीनता का परिणाम है कि सरकार द्वारा बच्चों के हितों का ध्यान रखते इस योजना की शुरूआत की गई थी वह शुरूआती तौर के कुछ महिनों को छोड़ दिया जावे तो अब यह योजना लगभग पूर्ण रूप से दम तोड़ चुकी है और शासन की यह योजना मात्र एक औपचारिकता ही बनकर रह गई है? क्योंकि चल रही शिक्षा सत्र के दौरान शायद ही किसी स्कूलों में शासन की इस योजना के तहत बच्चों को दूध पीते हुए देखा गया हो?

पॉलीथिन पर शासन का प्रतिबंध दिखाई दे रहा बेअसर, खुलेआम हो रहा उपयोग

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। जहां प्रशासन द्वारा पॉलीथिन के उपयोग पर प्रतिबंध लगाते हुये नगर पालिकाओं से लेकर नगर पंचायतों को उपयोग करने वालों के खिलाफ कार्यवाही करने के आदेश भी बीते हुये वर्ष जारी किये गये थें। मगर लगता है कि शायद वह आदेश नगर पालिकाओं व नगर पंचायतों सिर्फ मुनादी तक ही सीमित होकर रहे गये है? यह बात जरूर है कि आदेश के कुछ दिनों तक नपा के अधिकारियों को कभी कभार बाजार में निकलकर कुछ लोगों के खिलाफ कार्यवाही करने की औपचारिकता जरूर निभाई गई थी। मगर शासन के इस आदेश को नगर पालिका से लेकर तहसील स्तर पर बैठे अधिकारियों द्वारा जिस तरह से नजर अंदाज कर दिया गया है उसका परिणाम है कि बाजार में भी पनी की की बाढ़ आते हुये देखी जाने लगी है तो दूसरी ओर शासन के इस आदेश को नजर अंदाज किये जाने के चलते सक्षम अधिकारियों की उदासीन कार्य प्रणाली उजागर होने से भी नही बच पा रही है? शायद इसी का परिणाम है कि शासन का प्रतिबंध आदेश के बाद भी इस समय लगातार हो रहे पॉलिथिन के उपयोग बेअसर दिखाई देने से नही चूक पा रहा है? स्थिति इस प्रकार से देखी जा रही है कि लोगों द्वारा पॉलीथिन का उपयोग करने में सिर्फ सब्जी भांजी ही नही रखी जा रही बल्कि गर्म चाय तक अब पॉलीथिनों में रखते हुये जहां तहां पहुंचाते हुये देखा जाना निश्चित तौर से जिम्मेदार अधिकारियों की गैर जिम्मेदारानी कार्य प्रणाली को उजागर करने से नहीचूक रहा है। क्योकि पॉलिथिन के उपयोग पर शासन द्वारा पर्यावरण की रक्षा को ध्यान में रखते हुये प्रतिबंध का निर्णय लिया गया था तो दूसरी ओर हर तहसील से लेकर नगर पालिका हो या फिर ग्राम पंचायतों के अधिकारियों को इस र कार्यवाही करने के आदेश जारी किये गये थें मगर शासन का आदेश मात्र चार दिन की चांदनी फिर .....साबित होने से नही चूक पाया है? यदि पॉलीथिन की सच्चाई पर गौर किया जावे तो अनेक बडे चिकित्सों से लेकर वैज्ञानिको द्वारा बाया जाता है कि पॉलीथिन में रखी हुई गर्म वस्तु जहरीली होने से नही बच पाती है और शायद इसी सोच के चलते शासन द्वारा पॉलीथिन के उपयोग पर प्रतिबंध लगाते हुये कार्यवाही के निर्देश दिये गये थें। मगर इस ओर प्रशासन द्वारा किसी भी प्रकार का ध्यान नही दिये जाने का परिणाम है कि बाजार में खुलेआम पॉलीथिन का उपयोग होते हुये देखा जा रहा है।

खबर संक्षेप

माँ नर्मदा के चरणों में समर्पित मैया अभियान, घाटों की हुई सफाई

डिंडोरी। मां नर्मदा को समर्पित मैया अभियान के अंतर्गत रविवार प्रातः शंकर घाट पुल के समीप स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस दौरान अभियान से जुड़े सेवादारों ने घाट क्षेत्र में साफ-सफाई कर मां नर्मदा की सेवा की।उल्लेखनीय है कि डैम घाट बस स्टैंड के समीप स्थित होने के कारण यहां दिनभर बड़ी संख्या में श्रद्धालु आस्था की डुबकी लगाते हैं। पुल के आसपास के घाटों में अम्बेडकर बस्ती एवं अस्पताल से निकलने वाले नालों का पानी सीधे नदी में मिलने से प्रदूषण अधिक होता है। इसे देखते हुए मैया अभियान के सेवादारों ने झाड़ू, फावड़ा, तसला एवं गैंती की सहायता से घाटों में फैली प्लास्टिक, गंदे कपड़े, कांच की बोतलें, डायपर सहित अन्य अपशिष्ट सामग्री एकत्र की। स्वच्छता अभियान के दौरान एक वाहन भरकर प्रदूषित कचरा हटाया गया।अभियान के माध्यम से नगरवासियों एवं विद्यार्थियों से अपील की गई कि वे कम से कम एक दिन मां नर्मदा की सेवा में अवश्य सहभागी बनें। सेवादारों ने कहा कि नर्मदा जल की स्वच्छता बनाए रखना ही मां के प्रति सच्ची श्रद्धा है। नर्मदा नदी के उद्गम स्थल अमरकंटक से डिंडोरी को प्रथम नगर का दर्जा प्राप्त है, ऐसे में जिले के प्रत्येक नागरिक का दायित्व है कि नदी की निर्मलता और घाटों की स्वच्छता को बनाए रखें।रविवार को आयोजित मैया अभियान में डॉ. संतोष परस्ते (आयुष अधिकारी), आर.पी. कुशवाहा, नेहरू युवा केंद्र से जुड़े सदस्य, प्राचार्य शाहिद खान, जगदीश सिंह सैयाम, महेंद्र उचेहरा, कन्या शिक्षा परिषद से आर.बी. मिथलेश, संस्कार झरिया, महाराणा प्रताप, जन अभियान परिषद से धर्मेंद्र चौहान, माही बारोतिया, मनोज चौकसे सहित अनेक सेवादारों ने श्रमदान कर मां नर्मदा की सेवा की।

भारत आदिवासी पार्टी की जिला स्तरीय बैठक आयोजित

डिंडोरी । बिरसा मुंडा ग्राउंड, डिंडोरी में भारत आदिवासी पार्टी की जिला स्तरीय बैठक सफलतापूर्वक संपन्न हुई। बैठक में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रीतम सिंह उईके मुख्य अतिथि के रूप में तथा मध्य प्रदेश संगठन प्रभारी अब्दुल खालीन कादरी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।बैठक का मुख्य उद्देश्य डिंडोरी जिले में भारत आदिवासी पार्टी को और अधिक मजबूत करना रहा। इस दौरान निर्णय लिया गया कि जिले के सभी विकासखंडों एवं ग्राम पंचायतों के प्रत्येक गांव, मोहल्ले और गली तक पार्टी संगठन का विस्तार किया जाएगा, ताकि आदिवासी समाज को एकजुट कर भारत आदिवासी पार्टी का झंडा हर स्तर पर लहराया जा सके।बैठक में आगामी जनवरी माह में बसनिया बांध के मुद्दे को लेकर एक बड़े आंदोलन की रणनीति भी तैयार की गई। इस आंदोलन में मध्य प्रदेश के एकमात्र भारत आदिवासी पार्टी विधायक कमलेश्वर डोडियार के शामिल होने की जानकारी दी गई।साथ ही आने वाले सरपंच चुनावों को लेकर भी विस्तृत चर्चा हुई। पार्टी की ओर से अधिक से अधिक उम्मीदवार उतारकर सरपंच चुनाव में विजय प्राप्त करने की रणनीति बनाई गई।यह बैठक भारत आदिवासी पार्टी के जिला अध्यक्ष दिलीप कुमार मरावी के नेतृत्व में आयोजित की गई। बैठक के उपरांत राष्ट्रीय उपाध्यक्ष द्वारा अंकिता मरकाम को जिला कानूनी सलाहकार तथा पुष्पी पट्टा को जिला कानूनी सहायक सलाहकार नियुक्त किया गया। नियुक्ति के बाद दोनों को फूल-मालाओं से सम्मानित कर बधाई दी गई।

शहपुरा में अस्मिता खेलो इंडिया सेपक टाकरा वोमेन्स लीग 2025 का जिला स्तरीय आयोजन

शहपुरा

डिण्डोरी जिले के शहपुरा में महिला खिलाड़ियों को सशक्त बनाने और ग्रामीण खेल प्रतिभाओं को राष्ट्रीय मंच देने के उद्देश्य से अस्मिता खेलो इंडिया सेपक टाकरा वोमेन्स लीग 2025 का जिला स्तरीय आयोजन किया गया। स्थानीय वीरांगना रानी दुर्गावती स्टेडियम में आयोजित इस कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि सांसद एवं पूर्व केबिनेट मंत्री भारत सरकार फग्गनसिंह कुलस्ते ने किया।इस अवसर पर सांसद कुलस्ते ने खेलो इंडिया को नारी सशक्तिकरण, लैंगिक समानता और ग्रामीण अंचलों की खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने की अनोखी पहल बताया। उन्होंने महिला खिलाड़ियों के उत्साह और अनुशासन की सराहना करते हुए कहा कि खेल बेटियों को आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी बनाता है।कार्यक्रम में जिला उपाध्यक्ष ज्ञानदीप त्रिपाठी, संतोष साहू, मंडल अध्यक्ष बसंत गुप्ता, शहपुरा मंडल महामंत्री नितिन गुप्ता,पूर्व राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य अवधराज बिलैया, पूर्व जिला अध्यक्ष रानू तिवारी सहित अनेक जनप्रतिनिधि, शिक्षाविद और खेल प्रेमी मौजूद रहे।आयोजन में मध्यप्रदेश सेपक टाकरा संघ एवं जिला सेपक टाकरा एसोसिएशन की सक्रिय भूमिका रही। खास बात यह रही कि जिले के ग्रामीण क्षेत्र की खिलाड़ी देवंती पुषाम, अभिलाषा परस्ते और गंगोत्री मरावी ने राष्ट्रीय स्तर पर उपलब्धि हासिल कर जिले का नाम रोशन किया है। देवंती पुषाम द्वारा राष्ट्रीय टीम के लिए ट्रायल दिए जाने पर सभी ने गर्व व्यक्त किया।समारोह के अंत में सांसद कुलस्ते ने खिलाड़ियों को हर संभव सहयोग देने का भरोसा दिलाया।

विज्ञान एवं हस्तकला प्रदर्शनी में दिखी जनजातीय गौरव की झलक

सांदीपनि विद्यालय नरिया में विज्ञान, कला एवं क्राफ्ट प्रदर्शनी का भव्य आयोजन

डिंडोरी

सांदीपनि विद्यालय, नरिया में आयोजित विज्ञान, कला एवं क्राफ्ट प्रदर्शनी का समापन उत्साहपूर्ण एवं गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में क्षेत्रीय विधायक ओमप्रकाश धुर्वे उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथियों में ज्योति प्रकाश धुर्वे, मेकलसुता महाविद्यालय के प्राचार्य बिहारीलाल द्विवेदी, नरेन्द्र राजपूत , मनोहर ठाकुर , रामकिशोरी ठाकुर, सुशील राय , महेश धुमकेती सहित नरिया, घुसिया एवं खम्हरिया पंचायत के सरपंच, उपसरपंच देवरा ठाकुर तथा अनेक जनप्रतिनिधि एवं शिक्षाविद् शामिल रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ विधायक ओमप्रकाश धुर्वे द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर विद्यालय द्वारा किए जा रहे शैक्षणिक नवाचारों की सराहना करते हुए विद्यार्थियों द्वारा तैयार जनजातीय नायकों पर आधारित पुस्तिका 'जनजाति योद्धा' तथा 'अन्न श्री' विषयक विशेष कृति का विमोचन किया गया। पुस्तिका में बिरसा मुंडा, टंट्या भील, रानी दुर्गावती और शंकर शाह जैसे महान जनजातीय नायकों के संघर्ष एवं देश के प्रति योगदान को प्रभावशाली रूप से प्रस्तुत किया गया है।विधायक ने विद्यार्थियों के प्रयासों का प्रशसा करत हुए कहा ाक यह गव का ावषय ह कि आज की युवा पीढ़ी अपनी जड़ों और इतिहास से जुड़ी हुई है। विज्ञान के साथ-साथ संस्कृति और परंपराओं का ज्ञान ही एक सशक्त नागरिक का निर्माण करता है। उन्होंने विद्यार्थियों को विज्ञान एवं तकनीक के क्षेत्र में नवाचार करने के साथ सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण के लिए भी निरंतर प्रयास करने का संदेश दिया।

प्रदर्शनी में छात्रों ने भविष्य की तकनीक, पर्यावरण संरक्षण और ग्रामीण विकास पर आधारित अनेक कार्यशील मॉडल प्रस्तुत किए। 'कबाड़ से जुगाड़' थीम पर बनाई गई कलाकृतियों ने सभी अतिथियों को विशेष रूप से आकर्षित किया। जिले के गौरव पद्मश्री सम्मानित व्यक्तियों की तस्वीरों का प्रदर्शन भी किया गया। इसके साथ ही विद्यार्थियों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई।विधायक ने गणतंत्र दिवस के अवसर पर शिक्षकों को सम्मानित करने की घोषणा करते हुए शिक्षा विभाग के अधिकारियों से विद्यालयों में इस प्रकार के आयोजनों को बढ़ावा देने का आह्वान किया।कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के प्रधानाध्यापक प्रवीन सोनकिया ने सभी अतिथियों, अभिभावकों और सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर विद्यालय के समस्त शिक्षक, विद्यार्थी तथा बड़ी संख्या में अभिभावक उपस्थित रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में मूलचंद मरावी, अरुण यादव, सुचेता झरिया, ज्योति परस्ते, पंचवटी धुर्वे, सुनीला मार्को, शैलेन्द्र तिवारी, चमरू सिंह धुर्वे, रामप्रकाश धुर्वे, निधि पवैया, मुकेश लोधी, दिवेश बरकड़े, रत्ना नामदेव, धनीराम यादव और अनिल उइके का विशेष योगदान रहा।

ग्यारहवें खजुराहो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में डिंडोरी के रविराज बिलैया की सहभागिता

डिंडोरी

मेकला फिल्म्स के निर्माता एवं गीतकार रविराज बिलैया ने ग्यारहवें खजुराहो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल (11th KIFF) में बतौर फिल्म निर्माता शिरकत कर जिले का नाम रोशन किया। इससे पूर्व भी वे वर्ष 2018 में दिल्ली में आयोजित ग्लोबल नेचर फिल्म फेस्टिवल में अपनी सहभागिता दर्ज करा चुके हैं।रविराज बिलैया ने बताया कि खजुराहो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल का आयोजन 16 से 22 दिसंबर 2025 तक मध्य प्रदेश के खजुराहो में किया गया, जहां बॉलीवुड की कई नामचीन हस्तियों ने अभिनय और फिल्म निर्माण की बारीकियों पर कार्यशालाएं आयोजित कीं। इस वर्ष का फेस्टिवल विशेष रूप से बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र को समर्पित रहा।उन्होंने बताया कि खजुराहो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल एक वार्षिक आयोजन है, जिसका उद्देश्य कला, संस्कृति और सिनेमा को प्रोत्साहित करना है। यह आयोजन प्रयास प्रोडक्शन द्वारा मध्य प्रदेश सरकार के सहयोग से किया जाता है। देश-विदेश से फिल्म प्रेमी, कलाकार और फिल्म निर्माता इस महोत्सव में भाग लेकर खजुराहो की सांस्कृतिक विरासत के साथ सिनेमा के विविध पक्षों से रूबरू होते हैं।

फेस्टिवल के दौरान रविराज बिलैया ने सिने जगत की कई प्रतिष्ठित हस्तियों एवं जूरी सदस्यों से मुलाकात की। इनमें आयोजनकर्ता व प्रसिद्ध निर्माता-निर्देशक राजा बुंदेला, फिल्म सेंसर बोर्ड के सदस्य एवं राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार विजेता निर्माता-निर्देशक अशोक शरण, रामानंद सागर की 'रामायण' के संपादक सुभाष सहगल, संपादक असीम, अभिनेता पंकज बैरी, दक्षिण भारतीय फिल्मों के निर्माता-निर्देशक कृष्णा हब्बाले तथा असम फिल्मों के राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार विजेता निर्माता-निर्देशक जे. एम. दत्ता शामिल रहे।इस दौरान उन्होंने डिंडोरी जिले की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि से सभी को अवगत कराते हुए जिले के स्थानीय कलाकारों को अवसर देने और जिले में फिल्म शूटिंग के लिए आमंत्रित किया।

डिंडोरी जिले के पत्रकारगण हुए शामिल

राष्ट्रीय श्रमजीवी पत्रकार परिषद का प्रांतीय सम्मेलन संपन्न, नई कार्यकारिणी का गठन

डिंडोरी - जिले के कोतमा में राष्ट्रीय श्रमजीवी पत्रकार परिषद का प्रांतीय सम्मेलन भव्य रूप से संपन्न हुआ। सम्मेलन में प्रदेशभर से आए पत्रकारों ने शिरकत की और संगठनात्मक एकता के साथ पत्रकारों से जुड़ी समस्याओं पर गंभीर मंथन किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मध्यप्रदेश सरकार के मंत्री दिलीप जायसवाल रहे, जबकि विधायक फुन्देलाल और परिषद के प्रांतीय संयोजक नलिनकांत बाजपेई विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।सम्मेलन का प्रमुख उद्देश्य संगठन को और अधिक सशक्त बनाना तथा पत्रकार हितों की रक्षा को लेकर ठोस रणनीति तैयार करना रहा। इसी क्रम में नई प्रांतीय व जिला कार्यकारिणी का गठन किया गया। डिंडोरी जिले की कार्यकारिणी में जिले के वरिष्ठ पत्रकार अनिल साहू को जिला महासचिव तथा निषाद सोंढी को करंजिया ब्लॉक अध्यक्ष पद पर मनोनीत किया गया।

नवमनोनीत पदाधिकारियों ने संगठन का आभार व्यक्त करते हुए पत्रकारों के अधिकारों की रक्षा, उनकी समस्याओं के समाधान और संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने के लिए सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया। सम्मेलन में पत्रकार सुरक्षा, मानदेय, मान-सम्मान और कार्यस्थल की चुनौतियों जैसे मुद्दों पर भी विस्तार से चर्चा की गई।कोतमा में आयोजित यह प्रांतीय सम्मेलन पत्रकार एकता और संगठनात्मक मजबूती की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

जिलास्तरीय आरसेटी मेला आयोजित, स्वरोजगार को मिला बढ़ावा

डिंडोरी।

सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के 115वें स्थापना दिवस के अवसर पर आरसेटी (ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान) में जिलास्तरीय आरसेटी मेले का आयोजन किया गया। इस मेले का उद्देश्य प्रशिक्षण प्राप्त कर स्वरोजगार शुरू करने वाले लोगों को मंच प्रदान करना और अन्य ग्रामीणों को प्रेरित करना रहा।कार्यक्रम में अग्रणी जिला प्रबंधक रविशंकर, जिला प्रबंधक कौशल एवं रोजगार उन्नयन एनआरएलएम भगत सिंह आर्मो, आरसेटी के निदेशक एस.एस. समद, सेंट्रल बैंक के वरिष्ठ शाखा प्रबंधक कमलेश भलावी, श्रीकांत राय, विकासखंड प्रबंधक एनआरएलएम अमरपुर राजेश पांडेय, डोमेन स्किल ट्रेनर महेंद्र सिंह परिहार एवं हरिदास राठौर सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

आरसेटी मेले में ऐसे प्रशिक्षार्थियों ने भाग लिया, जिन्होंने प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद स्वयं का रोजगार शुरू किया है। इनमें अचार-पापड़ निर्माण, सिलाई कार्य, बैंक सखी, सॉफ्ट टॉय निर्माण, गोंडी पेंटिंग, बैंक मित्र जैसे विभिन्न कार्यों से जुड़े प्रशिक्षार्थी शामिल रहे। प्रतिभागियों ने अपने उत्पादों का प्रदर्शन कर अपनी सफलता की जानकारी साझा की।कार्यक्रम का संचालन आरसेटी के फैकल्टी ओम मिश्रा द्वारा किया गया, जबकि अंत में दीपिका सिंगौर ने आभार व्यक्त किया। मेला ग्रामीण युवाओं और महिलाओं के लिए स्वरोजगार के अवसरों को समझने और अपनाने का प्रेरणास्रोत बना।

प्रधानमंत्री आवास योजना गृह प्रवेश कार्यक्रम संपन्न

डिंडौरी । मुख्य नगर परिषद डिंडोरी द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत गृह प्रवेश कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते उपस्थित रहे। शहपुरा विधायक ओमप्रकाश धुर्वे, डिंडौरी विधायक ओमकार सिंह मरकाम, जिला पंचायत अध्यक्ष रूद्रेश परस्ते, नगर परिषद अध्यक्ष सुनीता सारस, उपाध्यक्ष सारिका नायक, जिला अध्यक्ष चमरू सिंह नेताम सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं प्रशासनिक अधिकारी कार्यक्रम में शामिल हुए।कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के तैलचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। नगर परिषद के मुख्य नगर पालिका अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत एएचपी घटक में कुल 348 आवास स्वीकृत किए गए हैं, जिनमें से पूर्व में 150 आवास वितरित किए जा चुके हैं। कार्यक्रम के दौरान रेवा परिसर औरई में निर्मित कॉलोनी के 15 पात्र हितग्राहियों को आवंटन आदेश एवं आवास की चाबी प्रदान की गई। सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना गरीब और जरूरतमंद परिवारों के लिए पक्का मकान उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने निर्देश दिए कि योजना का लाभ केवल पात्र हितग्राहियों को मिले और शेष आवासों का निर्माण समय-सीमा में पूर्ण कराया जाए।शहपुरा विधायक ओमप्रकाश धुर्वे ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार समाज के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने हितग्राही महिलाओं से संवाद कर उनके अनुभव भी सुने।डिंडौरी विधायक ओमकार सिंह मरकाम ने बताया कि औरई रोड पर हाईवोल्टेज विद्युत लाइन के कारण आ रही बाधा को विधायक निधि से राशि स्वीकृत कर दूर किया गया, जिससे प्रधानमंत्री आवास निर्माण का मार्ग प्रशस्त हुआ। उन्होंने क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार की मांग भी रखी।कार्यक्रम के दौरान लाभान्वित हितग्राहियों के चेहरों पर खुशी दिखाई दी और उन्होंने शासन-प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में उपस्थित गणमान्य नागरिकों एवं अधिकारियों को अंत में नमस्ते किया गया, जिनमें प्रमुख रूप से पुलिस अधीक्षक वाहनी सिंह, जिला पंचायत सीईओ दिव्यांशु चौधरी, एसडीएम बजाग रामबाबू देवांगन, नगर परिषद सीएमओ अमित तिवारी, पंकज तेकाम, अवधराज बिलैया, नरेन्द्र राजपूत, राजेन्द्र पाठक, रानू तिवारी, भागीरथ उरैती, रजनीश राय, रीतेश जैन, संदीप कांसकार, महेश धुमकेती, बद्री प्रसाद साहू, मनोहर ठाकुर, राजेन्द्र दुबे, आशीष वैश्य, स्मिता बर्मन एवं लक्ष्मी वैश्य सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी शामिल रहे।

गोंगपा के वरिष्ठ कार्यकर्ता फूल सिंह मरावी कांग्रेस पार्टी में हुए शामिल

अमरपुर। विकासखंड अमरपुर क्षेत्रांतर्गत ग्राम खितगांव ग्राम पंचायत जलेगांव निवासी गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के वरिष्ठ कर्मठ कार्यकर्ता फूल सिंह मरावी ने कांग्रेस पार्टी कि रीति और नीति से प्रभावित होकर कांग्रेस पार्टी में शामिल हुए। जिसे जिला कांग्रेस कमेटी डिंडौरी जिलाध्यक्ष व पूर्व मंत्री एवं वर्तमान डिंडौरी विधायक ओमकार सिंह मरकाम द्वारा कांग्रेस पार्टी का गमझा पहनाते हुए कांग्रेस पार्टी में सदस्यता ग्रहण कराई बतला दे लंबे समय से फूल सिंह मरावी डिंडौरी विधायक एवं कांग्रेस पार्टी कि प्रभावशील विचारधारा एवं जनहितैषी संकल्प की मंशा से कार्य करने वाली कांग्रेस पार्टी की विचारधारा से प्रभावित होकर जनमानस के कार्य एवं जरूरतमंदों के मुद्दों को प्रमुखता से रखने एवं क्षेत्र में कांग्रेस पार्टी का मजबूत स्तंभ बन कार्य करने का संकल्प एवं पार्टी को मजबूत करने एवं कांग्रेस पार्टी के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने की मंशा को लेकर सदस्यता ग्रहण की। इस अवसर पर प्रमुख रूप से महेंद्र सिंह परस्ते प्रदेश सचिव आदिवासी कांग्रेस, केवल कृष्ण नेटी आदिवासी कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष अमरपुर एवं सुरेश मरावी आदिवासी कांग्रेस महामंत्री बजाग मौजूद रहे।

मनरेगा से निर्मित सार्वजनिक तालाब बना बैगा परिवारों के लिए जल जीवनरेखा

डिंडोरी । जनपद पंचायत डिंडोरी अंतर्गत ग्राम पंचायत तेंदुमेर मोहतरा के वन ग्राम विनोदी में मनरेगा योजना से निर्मित सार्वजनिक तालाब बैगा परिवारों के लिए जल संकट से राहत का प्रमुख साधन बनकर उभर रहा है। प्रतिवर्ष ग्रीष्म ऋतु में गंभीर जल अभाव का सामना करने वाले बैगा परिवारों के लिए यह तालाब जीवनोपयोगी सिद्ध हो रहा है।महात्मा गांधी नरेगा योजना के अंतर्गत जल संरक्षण एवं संवर्धन के उद्देश्य को साकार करते हुए इस बैगा बहुल ग्राम में सार्वजनिक तालाब का निर्माण किया जा रहा है। ग्रामीणों की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए वित्तीय वर्ष 2024-25 में इस कार्य के लिए 24.41 लाख रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई।

तालाब निर्माण के लिए वन भूमि के उपयोग संबंधी प्रस्ताव को वन विभाग द्वारा स्वीकृति दी गई, जिससे ग्रामवासियों में जल संकट से मुक्ति की उम्मीद जगी। निर्माण कार्य में स्थानीय ग्रामीणों के साथ-साथ अन्य ग्राम पंचायतों के श्रमिकों ने भी भागीदारी निभाई। इस दौरान कुल 4180 मानव दिवस का रोजगार सृजित हुआ, जिसमें लगभग 12 लाख रुपये की मजदूरी का भुगतान मनरेगा योजना के माध्यम से किया गया।तालाब निर्माण के दौरान ही पहली वर्षा में यह जल से भर गया। वर्तमान में इस तालाब से ग्रामीणों को पेयजल एवं दैनिक उपयोग के लिए पानी उपलब्ध हो रहा है। साथ ही वन्य जीवों के लिए भी यह तालाब जल स्रोत के रूप में उपयोगी साबित हो रहा है।

विकास सोनी गारासरई डिडौरी: सुनहादादर में क्रिकेट मैच का आयोजन

गाड़ासरई- बजाग

ब्लॉक अंतर्गत ग्राम पंचायत सुनहादादर में क्रिकेट मैच का आयोजन रखा गया है जिसका उदघाटन शनिवार को ग्राम के गणमान्य लोगों के बीच किया गया, जिसमें क्रिकेट मैच अलग अलग जिलों की सौ टीमें हिस्सा ले रही है, मैच में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली टीम को इकतीस हजार व दूसरा स्थान प्राप्त करने वाली टीम को समिति की तरफ से 16 हजार की राशि दी जाएगी, मैच के शुभारंभ में ग्राम पंचायत सुनहादादर के सरपंच सुनीता पट्टा , उपसरपंच श्याम सिंग परस्ते , भूतपूर्व सरपंच देवसिंग परस्ते मजदूर संघ अध्यक्ष देवेंद्र सोनवानी शरीफ भाईजान आदिवासी जिला अध्यक्ष उमाशंकर सिंगराम , मण्डल सिंग ,सोनसिंग आर्मो रामप्रसाद पन्द्राम महिला कांग्रेस अध्यक्ष सुमन आयाम रवि मरकाम उपस्थित रहे, वही मैच कॉमेंट्री का दायित्व वीरेन्द्र उइे श्याम परस्ते व एम्पायर का दायित्व नंदकुमार पट्टा व कमलेश आर्मो को सौपा गया है।

पुलिस लाइन डिण्डौरी में हार्टफुलनेस ध्यान कार्यक्रम संपन्न

डिंडौरी। 21 दिसम्बर को पुलिस लाइन डिण्डौरी में हार्टफुलनेस (Heartfulness) ध्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारीगणों ने ऑनलाइन माध्यम से सहभागिता की।इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पुलिस बल के मानसिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ करना, तनाव प्रबंधन, एकाग्रता, सकारात्मक सोच तथा कार्यक्षमता में वृद्धि करना रहा। हार्टफुलनेस ध्यान पद्धति के माध्यम से प्रतिभागियों को सरल ध्यान अभ्यास, आंतरिक शांति, मानसिक संतुलन एवं भावनात्मक मजबूती के महत्व से अवगत कराया गया।ऑनलाइन सत्र के दौरान हार्टफुलनेस प्रशिक्षकों द्वारा ध्यान अभ्यास कराया गया तथा जीवन में संतुलन बनाए रखने के उपायों और नियमित ध्यान से होने वाले लाभों पर विस्तारपूर्वक मार्गदर्शन प्रदान किया गया। कार्यक्रम में सम्मिलित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने ध्यान अभ्यास को अत्यंत उपयोगी बताते हुए इसे अपने दैनिक जीवन में अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया।कार्यक्रम का समापन सकारात्मक वातावरण एवं आत्मिक शांति के अनुभव के साथ हुआ। पुलिस प्रशासन द्वारा भविष्य में भी इस प्रकार के कल्याणकारी एवं मानसिक स्वास्थ्य संवर्धन से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जाने की बात कही गई।

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

12

जबलपुर, सोमवार 22 दिसंबर 2025

login : www.haribhoomi.com

करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल

खबर संक्षेप

राज्य शिक्षक संघ ने सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। रविवार को राज्य शिक्षक संघ मध्यप्रदेश के प्रदेश व्यापी आह्वान पर नियुक्ति दिनांक से वरिष्ठता बहाली एवं ई अटेंडेंस बंद किये जाने हेतु जिला मुख्यालय पर राज्य शिक्षक संघ जिला ईकाई द्वारा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नाम ज्ञापन नायब तहसीलदार को सौंपा गया। जिला अध्यक्ष अजीत जाट के नेतृत्व में सौंपे गये ज्ञापन में उल्लेखित किया गया है कि राज्य शिक्षा सेवा में अध्यापक संवर्ग की नियुक्ति 1 जुलाई 2018 से की गई है। उस दिन के बाद से आज दिनांक तक वरिष्ठता को लेकर शिक्षकों में भ्रम की स्तिथि बनी हुई है एवं उन्हें नियुक्ति दिनांक वरिष्ठता न मिलने के कारण अनेक लाभो से वंचित होना पड़ रहा है। अतः अध्यापक संवर्ग को नियुक्ति दिनांक से वरिष्ठता का लाभ दिया जाये। ज्ञापन में संघ ने अवगत कराया कि मप्र के शासकीय विद्यालयों में शिक्षक नियमित रूप से उपस्थित होकर निष्ठापूर्वक अपना कार्य ईमानदारी से करते है जिसके परिणामस्वरुप प्रदेश की मेरिट सूची में शासकीय स्कूलों से विद्यार्थी स्थान पाते है। वर्तमान में विभाग द्वारा शुरू की गई ई अटेंडेंस व्यवस्था अव्यवहारिक है इसीलिए इसे बंद किया जाये। इस अवसर पर ज्ञापन सौंपने वालों में प्रदेश पदाधिकारी, जिला ब्लॉक ध्तहसील कार्यकारिणी के समस्त पदाधिकारियों एवं जिले के समस्त शिक्षक साथी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

दुग्ध समृद्धि सम्पर्क अभियान की गतिविधियों का किया अवलोकन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। जिले में पशुपालन और दुग्ध उत्पादन को गति देने के लिए चलाए जा रहे दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान (द्वितीय चरण) के तहत सीईओ जिला पंचायत गजेन्द्र सिंह नागेश ने करेली विकासखंड के विभिन्न ग्रामों का निरीक्षण कर अभियान के तहत की जा रही गतिविधियों का अवलोकन किया। भ्रमण के दौरान सीईओ जिला पंचायत श्री नागेश पशुपालकों के घर पहुंचे। उन्होंने विभाग द्वारा दी जा रही सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। पशुपालकों से चर्चा करते हुए कम लागत में कैसे अपने दुग्ध उत्पादन को बढ़ाया जाए और वैज्ञानिक तरीके से पशुपालन अपनाने पर जोर दिया। निरीक्षण के दौरान एव्हीएफओ करेली सौरभ नागवंशी, विभागीय टीम, क्षेत्रीय गौसेवक और अन्य अधिकारी-कर्मचारी मौजूद थे।

नपा कर्मियों की हड़लात से कोहराम प्रारंभ

पानी की किल्लत से जूझने लगे नगरवासी

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। बीते दिनों से नगर पालिका कर्मचारी अपनी मांगों को लेकर काम बंद हड़ताल पर चले गए। कर्मचारियों के हड़ताल पर जाने से नगर वासियों को कई समस्याओं को जूझना पड़ रहा है। कर्मचारियों के हड़ताल पर जाने से नगर की सड़कों पर कचरा फैलने लगा है पूरे नगर की सफाई व्यवस्था चरमरा गई। नगर वासियों को सफाई के बाद पानी की किल्लत से भी जूझना पड़ रहा है। नगर के कुछ वार्डों मे पानी की सप्लाई चालू नही की गई जिस कारण से नगर के कई वार्डों मे पानी की आपूर्ति कम हो गई। नगरवासी नगर पालिका प्रशासन को कोसते नजर आए। लेकिन नगर पालिका की व्यवस्थाओं पर कोई प्रभाव नही पड़ा। अब देखना होगा कि नगर पालिका द्वारा क्या कदम उठाया जाता है। वही धरने पर बैठे नगर पालिका कर्मचारियों द्वारा नाच गा कर प्रर्दशन किया गया।

पानी की सप्लाई भी बंद

नगर पालिका कर्मचारियों की हड़ताल के कारण नगर में पानी की सप्लाई करने वाले कर्मचारी भी हड़ताल मे शामिल हो गए है जिससे नगर में पानी की सप्लाई व्यवस्था ठप्प हो गई। नगर के कुछ वार्ड के निवासी पानी के लिए तरसते नजर आए। वही नगर पालिका प्रशासन के कानों में जूं नहीं रेंग रही है। लोगों का कहना है कि नगर पालिका द्वारा पूरा टैक्स लेने के बाद भी पूरी व्यवस्थाएं देने मे नगर पालिका सक्षम नही है। नगर पालिका प्रशासन को चाहिए की बैठक कर ठोस निर्णय ले जिससे नगर वासियों को परेशानी का सामना ना करना पड़े यदि नगर पालिका प्रशासन द्वारा ठोस कदम नही उठाया गया हो इस बड़ा खामियाजा देखने को मिल सकता है। वही सत्ता पक्ष के जनप्रतिनिधि भी उदासीनता दिखा रहे है। अब देखना होगा कि नगर में आगे क्या देखने को मिलेगा।

आखिर ऐसा क्यों

नगर पालिका को नगर के विभिन्न माध्यमों से लाखों रुपए की मासिक आमदनी होती है। परन्तु कर्मचारियों को वेतन ना मिल पाना ये चिंतनीय है। नगर पालिका कर्मचारियों को नगर पालिका प्रशासन को सर्वप्रथम वेतन का भुगतान करना चाहिए। जिससे नगर में मूलभूत सुविधाएं अनवरत रूप से जारी रह सकें। लेकिन नगर पालिका द्वारा ऐसा ना किया जाना कई सवालों को जन्म दे रहा है। नगर पालिका को दैनिक साप्ताहिक व मासिक कर के रूप मे ही लाखों करोड़ो

की राशि प्राप्त होती है तो ये कठिनाई क्यों यदि आय के साधन कम है तो प्रशासन को बैठक कर कोई ठोस एजेंडा बनाया जाए और नगर पालिका की आय मे वृद्धि के साधन बनाए जाए परन्तु ऐसा ना करना नगर पालिका प्रशासन व नगर प्रतिनिधियों की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े करता है। अब देखना होगा कि नगर पालिका प्रशासन द्वारा क्या कदम उठाया जाता है।

प्रशासन के पास नही कोई ठोस वजह

वही विपक्ष की माने तो नगर पालिका प्रशासन के पास कर्मचारियों का वेतन समय पर ना होने तथा कर्मचारियों की अन्य मांगों को लेकर की जा रही हड़ताल के संबंध मे नगर पालिका प्रशासन के पास कोई ठोस वजह नही है बल्कि नगर पालिका प्रशासन के उदासीन व भ्रष्ट रवैये के कारण ऐसी स्थिति उत्पन्न हो रही है। ऐसी स्थिति निर्मित हो रही है। नगर पालिका प्रशासन आय व्यय के लेखा जोखा के साथ दैनिक व साप्ताहिक वसूली का हिसाब किताब भी ठीक नही है। यदि कहा जाए की नगर पालिका प्रशासन की कार्यप्रणाली भगवान भरोसे है नगर पालिका के राजस्व वसूली करने वाले कर्मचारी भी नगर पालिका के साथ चालबाजी कर मालामाल हो रहे है और नगर पालिका प्रशासन को चूना लगाया जा रहा है। प्रशासन को चाहिए की ठोस जांच कर उचित कार्रवाई करे।

इनका कहना है

नगर पालिका कर्मचारी 3 माह से वेतन ना मिलने के कारण हड़ताल पर है जिस कारण से नगर की सफाई आदि व्यवस्थाएं अनियंत्रित हुई है कर्मचारी से बातचीत की गई है शीघ्र ही वह काम पर वापिस लौटेंगे।

नीरज महाराज, अध्यक्ष नगर पालिका

नगर पालिका के उदासीनता तथा लापरवाही पूर्ण रवैये के कारण नगरवासी परेशान हो रहे है मूलभूत सुविधाएं नगर पालिका प्रशासन को शीघ्र उपलब्ध करानी चाहिए जिससे नगर वासी परेशान ना हो। व्यवस्था पर नगर पालिका प्रशासन गंभीरता से ध्यान दे। कर्मचरियों को वेतन ना मिलना बड़ी विषसंगति है।

सुनीता पटेल, जिलाध्यक्ष कांग्रेस

भ्रष्टाचार का केन्द्र बनी नपाः इंजी. रूद्रेश तिवारी नेता प्रतिपक्ष

उक्त संबंध मे कांग्रेस नेता प्रतिपक्ष इंजी. रूद्रेश तिवारी से चर्चा की गई तो उनके द्वारा बताया कि बीते तीन वर्ष मे नगर पालिका की बैठकों मे प्रशासन द्वारा किसी भी प्रकार से आय के स्त्रोत बढ़ाने एवं आय - व्यय का कोई लेखा जोखा प्रस्तुत नही किया गया है और ना ही कर्मचारियों की वेतन को लेकर कोई चर्चा की गई। कर्मचारी प्रत्येक त्यौहार में नगर पालिका प्रशासन से भीख जैसे अपना वेतन मांगते नजर आते है जिन्हे नगर पालिका प्रशासन द्वारा नजर अंदाज किया जाता है। नगर पालिका प्रशासन से नगर से प्राप्त होने वाले टैक्स का हिसाब - किताब मांगने पर भी नही दिया जाता है साथ ही टैक्स के माप भी ठीक नही है। पूर्व ही नगर पालिका भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ चुका है इस ओर नगर पालिका के जिम्मेदारों द्वारा ध्यान नही दिया जा रहा है। आखिर नगर से प्राप्त होने वाला टैक्स कहां जा रहा है। गंभीर चिंता का विषय है नगर पालिका में ऐसी विषसंगति नही होनी चाहिए। यदि जिम्मेदारों द्वारा कोई ठोस कदम नही उठाया गया तो आगे और भी प्रदर्शन किया जा सकता है। हड़ताल पर बैठे कर्मचारियों के साथ हमारी पूरी संवेदनाएं है हम उनके साथ भी है उनको अपना हक मिलना चाहिए।

इंटर स्कूल क्रिकेट चैम्पियनशिप का पहला सेमीफाइनल आज

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। उच्च शिक्षा विभाग म.प्र. शासन भोपाल एवं रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर की खेलो इंडिया अवधारणा की दिशा में जिले के युवा शक्ति के खेल प्रोत्साहन हेतु एम.आई.एम.टी. कॉलेज नरसिंहपुर द्वारा 'आरोहण' इंटर स्कूल क्रिकेट चैम्पियनशिप 2025 के नौवें दिन दोप. 12:00 बजे से पूल 'बी' की टीम एस.एन.पी.एस. नरसिंहपुर एवं पं. नर्मदा प्रसाद दुबे मैमोरियल स्कूल कंजई एवं दोप. 02:00 बजे से पूल 'डी' की टीम शासकीय नेहरू उ.मा. विद्यालय नरसिंहपुर एवं फिनिक्स विवेक बाल विहार स्कूल नरसिंहपुर टीम के मध्य खेला गया। मैच का शुभारम्भ वरिष्ट पत्रकार संजय पचैरी के मुख्य आतिथ्य, वरिष्ट पत्रकार मदन तिवारी की अध्यक्षता, विपिन बैरागी वरिष्ट पत्रकार के विशिष्ट आतिथ्य एवं वरिष्ट पत्रकार कमल तिवारी, आशीष खरे, अविनाश राव, प्रकाश चैबे, चेयरमैन इंजी रुद्रेश तिवारी एवं प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार गर्ग एम.आई.एम.टी. कॉलेज की उपस्थिति में किया गया। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार मेजर डॉ. पराग नेमा द्वारा किया गया। पहले मैच में एस.एन.पी.एस. नरसिंहपुर की टीम ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसला लिया एवं निर्धारित 12 ओवर में 175 रन का लक्ष्य दिया। 175 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पं. नर्मदा प्रसाद दुबे मैमोरियल स्कूल कंजई की टीम 157 रन पर ऑल आउट हो गई इस प्रकार 18 रनों से एस.एन.पी.एस. नरसिंहपुर मैच जीतकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। टीम की ओर से उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर सागर पटेल 57 रन की पारी एवं 03 ओवर में 02 विकेट तथा महत्वपूर्ण कैच लेने पर उन्हे मैन ऑफ द मैच के खिताब से नवाजा गया। वहीं दूसरे मैच में शासकीय नेहरू उ.मा. विद्यालय नरसिंहपुर की टीम ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसला लिया एवं 121 रन बना सकीं। वहीं 121 रन लक्ष्य का पीछा करने उतरी फिनिक्स स्कूल की टीम 63 रन पर पूरी टीम आउट हो गई। इस प्रकार 51 रन से शासकीय नेहरू उ.मा. विद्यालय नरसिंहपुर मैच जीत लिया। अभय पटेल द्वारा 22 गेंदों में 63 रन की शानदार पारी खेलनें पर उन्हे मैन ऑफ द मैच के खिताब से नवाजा गया। इसके पूर्व मुख्य अतिथियों ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया। सरस्वती पूजन से मैच का प्रारम्भ किया गया। एम्पायर की भूमिका का निर्वाहन तेग बहादुर, समीर खान, सुमित राजपूत सहित थर्ड एम्पायर की भूमिका में मो. आशिक अली तथा मैच रैफरी करीम खान रहे। स्कोरर अथर्व नेमा तथा रीतेश चौधरी द्वारा योगदान दिया गया। वही कामेट्रेटर की भूमिका में प्रभात ठाकुर, प्रमोद नेमा, विनोद महोबिया द्वारा रोचक कामेंट्री की गई। उक्त अवसर पर रोटे. धनंजय पटेल, प्रशांत पाण्डे, सर्वेश दुबे, विजय पटेल, रीतेश राय, मुकेश पटेल, रंजीत लोधी, रीतेश गुप्ता, दशरथ वंशकार, रूप सिंह मेहरा, शशांक चैकसे, आदित्य राय, मंयक सोलंकी, राहुल कर्वेती, प्रयांश चौकसे, ऋषभ राय, डॉ. एस.एन. राव, जी. डी. उमरे एवं कोच मैनेजर पाल मनोहर, राकेश दुबे, पंकज नेमा, हेमंत रजक, रोहित विश्वकर्मा, राजेश चैधरी, दीपक पटवा, मनोज कुमार सहित बड़ी संख्या में दर्शकों की उपस्थिति रहीं। आरोहण इंटर स्कूल क्रिकेट चैम्पियनशिप 2025 का पहला सेमी फाइनल सोमवार दिनांक 22 दिसंबर 2025 दोप. 2:00 बजे से एस.एन.पी.एस. नरसिंहपुर एवं उत्कृष्ट विद्यालय नरसिंहपुर के मध्य खेला जायेगा। आयोजन समिति के सदस्य लेफ्टि. जितेन्द्र कुमार मिश्रा, प्रसून नेमा, हेमराज सेन, विवेक जोशी, पवन कुशवाहा एवं शिव कुमार मेहरा ने सभी खेल प्रेमियों से उपस्थिति की अपील की है।

विद्यार्थियों ने किया महाकौशल शुगर मिल का भ्रमण

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस शासकीय कृषि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बरहटा में व्यावसायिक शिक्षा के अंतर्गत एग्रीकल्चर ट्रेड के छात्रों को महाकौशल शुगर मिल बचई का भ्रमण करवाया गया। भ्रमण के दौरान गन्ना की तुलाई से लेकर शक्कर बनाने तक की प्रक्रिया गन्ने की पिसाई, रस की सफाई, क्रिस्टलीकरण की क्रिया सिरप को वैक्यूम पैन में कैसे उबाला जाता है और उसमें छोटे चीनी के दाने डाले जाते हैं बताया गया और क्रिस्टल और मोलासेस के मिश्रण को सेंट्रीफ्यूज मशीन में तेजी से घुमाया जाता है जिसे मोलासेस बाहर हो जाए। इसके बाद पैकिंग आदि विभिन्न संयंत्रों की प्रक्रिया दिखाई गई। बिजली उत्पादन इकाई का भी भ्रमण किया। इस भ्रमण के दौरान छात्रों ने समझा कि कृषि क्षेत्र से उत्पन्न उत्पादन का पूरा उपयोग किया जा रहा है जिससे निकलने वाले वेस्ट मटेरियल से भी उपयोगी सामान तैयार किया जा रहे हैं। इसके उपरान्त बकोरी रोपणी मे प्रभारी मनोज तिवारी के सहयोग से बच्चों को पौध रोपण मे नर्सरी तैयार करना जैविक दवा जीवा आमृत के फायदे बताए पॉलीहाउस मे तापमान का प्रबंधन करना और वन विभाग मियावाकी विधि जैसी आधुनिक तकनीकों से कम समय में घने और तेजी से बढ़ने वाले वन लगाए जा सकते हैं, जिसमें मिट्टी की तैयारी और स्थानीय प्रजातियों के मिश्रण पर विशेष ध्यान दिया जाता है। व्यावसायिक भ्रमण मे शामिल नोडल अधिकारी राजेश सिंगोतिया ,एग्रीकल्चर प्रशिक्षक आकाश रंगारे शिक्षक शंकर राजभर धर्मेश ठाकुर एवं आईटी प्रशिक्षिका भावना मिश्रा उपस्थित रहे।

सिवनी के बेटे को मिला प्रांत की छात्र शक्ति का नेतृत्व, सुव्रत बाझल प्रांत मंत्री निर्वाचित

सिवनी। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद महाकौशल प्रांत के सत्र 2025 26 हेतु प्रांत अध्यक्ष डॉ .सुनील पांडेय (रीवा) एवं श्री सुव्रत बाझल(सिवनी) को महाकोशल प्रांत का प्रांत मंत्री निर्वाचित किया गया है। यह घोषणा संगठन की परंपरागत प्रक्रिया के अंतर्गत प्रांत अधिवेशन से पूर्व की गई है। उल्लेखनीय है की सुव्रत बाझल जिले के प्रतिष्ठित व्यापारी एवं भारत विकास परिषद के जिला अध्यक्ष सुबोध कुमार बाझल के पुत्र एवं जैन समाज के पूर्व अध्यक्ष स्व सनत कुमार बाझल के पौत्र हैं। इंदौर से बीएएलएलबी की शिक्षा ग्रहण करने के बाद सुव्रत बाझल विद्यार्थी परिषद के पूर्णकालीक कार्यकर्ता के नाते कार्य कर रहे हैं पूर्व में नगर सह मंत्री ,नगर विस्तारक ,जिला संगठन मंत्री प्रांत छात्र शक्ति कार्य संयोजक सत्र 2023-24 एवं 2024-25 में प्रांत के सह मंत्री के दायित्वों का भी निर्वहन कर चुके हैं।

बरहटा ग्राम पंचायत में पानी टंकी निर्माण में भ्रष्टाचार

गुणवत्ता को लेकर ग्रामीणों में भारी आक्रोश

गोटेगांव। अंतर्गत ग्राम पंचायत बरहटा स्थित नए बाजार में निर्माणाधीन पानी टंकी की गुणवत्ता को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। निर्माण कार्य में मानकों की अनदेखी और भ्रष्टाचार की शिकायतों से ग्रामीणों में गहरा असंतोष व्याप्त है। स्थानीय निवासियों का आरोप है कि निर्माण स्थल पर नियमों को ताक पर रखकर कार्य किया जा रहा है और सुरक्षा मानकों का पालन नहीं होने से भविष्य में टंकी के गिरने और बड़ी दुर्घटना की आशंका बनी हुई है। ग्रामीणों ने मौके का जायजा लेने के बाद बताया कि टंकी में उपयोग की जा रही लोहे की सरिया तय मापदंडों से काफी कम मोटाई की है, जो इसकी मजबूती को प्रभावित कर सकती है। क्षेत्रीय निवासियों के अनुसार निर्माण कार्य में मिट्टी युक्त घटिया रेत का उपयोग किया जा रहा है और कंक्रीट के

मिश्रण को मजबूती देने के लिए अनिवार्य वाइब्रेटर मशीन का उपयोग भी नहीं किया जा रहा। जब ग्रामीणों ने वहां मौजूद मिस्त्री से कार्य का एस्टीमेट बोर्ड और तकनीकी जानकारी मांगी, तो उसने गैर-जिम्मेदाराना जवाब देते हुए जानकारी होने से साफ इनकार कर दिया। ग्रामीणों का कहना है कि संबंधित इंजीनियर कभी भी निर्माण स्थल पर निगरानी के लिए उपलब्ध नहीं रहते, जिसका लाभ उठाकर ठेकेदार द्वारा मनमाने ढंग से घटिया सामग्री का उपयोग कर शासन के पैसों की बर्बादी की जा रही है। राजा शाह, सिद्ध नारायण शाह, अनिल गुप्ता, सरोज पटेल, सीताराम मेहरा और शारदा मेहरा सहित अनेक ग्रामवासियों ने शासन-प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों से इस पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच कराने की पुरजोर मांग की है। ग्रामीणों ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि जनहित के इस कार्य में भ्रष्टाचार को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और यदि समय रहते सुधार नहीं हुआ तो वे उग्र प्रदर्शन के लिए बाध्य होंगे।

राज्य शिक्षक संघ ने अपनी दो सूत्रीय मांगों को लेकर सौंपा ज्ञापन

तेंदूखेड़ा। राज्य शिक्षक संघ के बैनर तले रविवार को अपनी ई अटेंडेंस और शिक्षकों की वरिष्ठता सूची को लेकर प्रदेश के मुख्यमंत्री को संबोधित एक ज्ञापन कलेक्टर कार्यालय में जाकर सौंपा गया जिसमें उल्लेख किया गया है कि राज्य शिक्षा सेवा में अध्यापक संवर्ग की नियुक्ति एक जुलाई 2018 से की गई है।उस दिन के बाद से आज दिनांक तक अध्यापक संवर्ग से नियुक्त शिक्षकों की वरिष्ठता को लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई है। नियुक्ति दिनांक से वरिष्ठता न मिलने के कारण अनेक लाभों से वंचित होना पड़ रहा है। अध्यापक संवर्ग को नियुक्ति दिनांक से वरिष्ठता का लाभ दिया जाए। साथ ही मध्यप्रदेश के सरकारी विद्यालयों के शिक्षक नियमित रूप से विद्यालय जाकर निष्ठापूर्वक कार्य करते हैं। इसी का परिणाम है कि प्रदेश की प्रावीण्य सूची में शासकीय विद्यालयों के बच्चे स्थान बनाते हैं। इसलिए नियमित उपस्थिति के लिए अव्यवहारिक ई अटेंडेंस व्यवस्था को बंद किया जाए। सभी शिक्षकों ने विनम्रता पूर्वक आग्रह किया है कि अध्यापक संवर्ग की उक्त सभी मांगो का शीघ्र निराकरण किया जाये। ज्ञापन अवसर पर बड़ी संख्या में शिक्षक शिक्षिकायें उपस्थित थे।